दैनिक
कारखाने का सफर
मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

आर्कटिक के 'पनामा नहर' पर ... पेज 5

यर में चाहिए पॉजिटिव एनर्जी, ... पेज 7

वर्ष 6, अंक 213 | भोपाल, मंगलवार 13 जनवरी, 2026 | माघ शुक्ल पक्ष, दशमी, 2082 | मूल्य 2 रुपए

भोपाल में मकर संक्रांति पर रहेगा अवकाश

अनंत चतुर्दशी, महानवमी और गैस त्रासदी की भी रहेगी छुट्टी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

राजधानी में 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर अवकाश रहेगा। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के प्रस्ताव को सामान्य प्रशासन विभाग ने मंजूरी दे दी है। इसके अलावा अनंत चतुर्दशी, महानवमी और भोपाल गैस त्रासदी पर भी छुट्टी रहेगी। साल में चार सामान्य अवकाश रहेंगे। स्थानीय अवकाश से 30 हजार से ज्यादा सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों को फायदा मिलेगा। मकर संक्रांति के अलावा 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी, 19 अक्टूबर को महानवमी और भोपाल गैस त्रासदी बरसी दिवस (केवल भोपाल शहर के लिए) पर 3 दिसंबर को भी स्थानीय अवकाश रहेगा।

भोजपाल महोत्सव मेला समिति द्वारा पहली बार 'भोजपाल पतंग महोत्सव' का भव्य आयोजन अवधपुरी जंबूरी मैदान हैलीपेड पर

- 2,000 पतंगें निःशुल्क वितरित की जाएंगी, व उत्सव के दौरान सभी लोगों को तिल-गुड़ के लड्डू और गरमा-गरम खिचड़ी की महाप्रसादी का वितरण
- मकर संक्रांति पर जंबूरी मैदान में सजेगा आसमान, 2,000 पतंगों के साथ मनेगा भव्य महोत्सव

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

राजधानी में मकर संक्रांति का पर्व इस बार विशेष उत्साह और सांस्कृतिक चमक के साथ मनाया जाएगा। शहर की समृद्ध परंपराओं को जीवंत करते हुए भोजपाल महोत्सव मेला समिति द्वारा पहली बार 'भोजपाल पतंग महोत्सव' का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

हेलीपैड मैदान में होगा पतंगबाजी का मुकाबला : आयोजन समिति के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि पतंग महोत्सव का आयोजन 14 जनवरी को सुबह 10 बजे से अवधपुरी चौराहा स्थित हेलीपैड मैदान (भेल) में होगा। इस प्रतियोगिता में शहर भर के पतंगबाज अपनी कला और हुनर का प्रदर्शन करेंगे।

निःशुल्क पतंग, बंटेगी महाप्रसादी : त्योहार की मिठास और खुशी बांटने के लिए समिति ने विशेष इंतजाम किए हैं। महोत्सव में आने वाले लोगों को समिति की ओर से 2,000 पतंगें निःशुल्क वितरित की जाएंगी। उत्सव के दौरान लोगों के लिए तिल-गुड़ के लड्डू और गरमा-गरम खिचड़ी की महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा।

चाइनीज मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध : सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए समिति ने कड़ा फैसला लिया है। अध्यक्ष यादव ने स्पष्ट किया कि पतंग महोत्सव में चाइनीज डोर (चाइनीज मांझा) का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। कार्यक्रम में केवल सूती और सुरक्षित धागे के उपयोग की अनुमति होगी, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

आयोजन समिति की टीम : इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए अध्यक्ष, सुनील यादव संयोजक, विकास वीरानी, महामंत्री, हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, विनय सिंह, महेंद्र नामदेव, अखिलेश नागर, मो. जाहिद खान, मधु भवनानी, चंदन वर्मा, दीपक शर्मा, भूपेंद्र सिंह, मो. रेहान खान, दीपक बैरागी, देवेंद्र चौकसे, सुनील वैष्णव सहित अन्य सदस्यों ने शहरवासियों से इस उत्सव में हिस्सा लेने की अपील की है।

कुछ नहीं बचा टाउनशिप में, धूल में लाठी घुमा रहा है, भेल प्रशासन

- पानी और बिजली सप्लाई भी ज्यादातर उनको हो रही है, जिन्हें भेल से कोई लेना देना नहीं
- भेल नगर प्रशासन में अतिक्रमण अमला निष्क्रिए, मार्केअ में चलने की भी जगह नहीं
- खंडहर मकानों और दूसरे विभागों या टेंडर में आवास लेने वालों के अलावा भेल कर्मचारी एक भी नहीं

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भेल टाउनशिप के हालात दिन प्रतिदिन सुधरने की जगह अब बदहाल होते जा रहे हैं। सिर्फ भेल कर्मचारियों की सबसे अच्छी संस्था थ्रिफ्ट सोसायटी चल रही है, जहां भेल कर्मचारियों की हमेशा भीड़ रहती है। इस सोसायटी में बेहतर काम भी हो रहा है और हर कर्मचारी को हर प्रकार का लाभ मिल रहा है। एक समय था जब भेल नगर प्रशासन के अतिक्रमण अमले की दहशत हुआ करती थी। अब यह हालत है कि अतिक्रमण अमला कार्यालय से बाहर ही नहीं निकलता। टाउनशिप के प्रमुख गांधी मार्केट और विजय मार्केट में खरीदारी करने आने वाले लोगों को पैदल चलने में भी परेशानी हो रही है। आधी सड़क तक दुकानदारों का सामान जमा रहता है और शेष स्थान पर वाहन पार्क रहते हैं। इन दोनों मार्केट से ही सामान खरीदकर वो कर्मचारी और अफसर ले जाते हैं, जो अतिक्रमण अमले के प्रभारी है। मार्केट में आने वाले सामान्य ग्राहकों का आरोप है कि दुकानदारों और अतिक्रमण अमले के बीच कोई सेटिंग है, जिससे सड़क तक दुकानें लगने लगी हैं। पहले तो दुकानों के बाहर बनी गेलरी में सामान रखने की हिम्मत दुकानदार की नहीं होती थी। अब गेलरी दुकानदारों ने ही खत्म कर सामान आधी सड़क तक रखने लगे। जबकि दूसरे एक दर्जन मार्केट में जाने से भी भेल प्रशासन का अमला जाने से भी डरता है।

- भेल नगर प्रशासन के अधिकारी और कर्मचारी सिर्फ नौकरी कर रहे हैं। उन्हें किसी काम से कोई लेना देना नहीं है। क्योंकि देखने या नजर रखने वाला अब कोई नहीं है। सबका वेतन समय पर और भरपूर मिल रहा है। इसलिए किस किस को याद करें और किस किस को रोएं। भेल के सभी कर्मचारी दूसरी कालोनी में रहते हैं, उन्हें टाउनशिप से कोई लेना देना नहीं है और टाउनशिप का मतलब भी खत्म हो गया है। चारों तरफ कब्जे और मुफ्त का पानी और मुफ्त की बिजली सोया हुआ नगर प्रशासन दे ही रहा है। इसलिए टाउनशिप के बारे में उच्च अधिकारी भी सोचते हैं कि किस किस को दोष दें।

नया भारत बन रहा है, इसलिए पहली बार वर्ल्ड रोज कनवेंशन के लिए भारत के भोपाल शहर को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई

- 7 से 13 जनवरी 2028 में आयोजित इस वर्ल्ड रोज कनवेंशन में भोपाल का हर नागरिक अपनी भागीदारी स्वयं तय करेगा, जिससे 40 देशों के आ रहे प्रतिनिधि यहां की कुछ यादें लेकर जाएं
- वर्ष 2028 तक भोपाल के हर नागरिक को अपने घर आंगन, बगीचे व घर के गमलों को गुलाब की विभिन्न प्रजातियों को रोपकर उन्हें उसी तरह तैयार करना होगा, जैसा विश्व के गुलाब प्रेमी करते हैं
- शहर के गुलाब व अन्य उद्यान भी इंटरनेशनल लेबल के बनाए जाएंगे, क्योंकि वर्ल्ड रोज कनवेंशन भारत के साथ ही मध्य प्रदेश और खासकर भोपाल के लिए अजूबा आयोजन है, जिसे सफल बनाने के लिए मध्य प्रदेश रोज सोसायटी, प्रदेश सरकार, संस्थाएं व हर नागरिक की जिम्मेदारी है

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल में मध्य प्रदेश रोज सोसायटी ने गुलाब के ऐसे प्रेमियों को पैदा किया है कि गुलाब प्रदर्शनी में भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। हर साल मध्य प्रदेश रोज सोसायटी की गुलाब प्रदर्शनी पूरा शहर उमड पड़ता है। खास बात यह है कि राजधानी के बड़े से बड़े संस्थान चाहें वो राज्य सरकार के हों या केंद्र सरकार के सभी इस प्रदर्शनी में आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। इसके साथ ही विधानसभा हो या देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक उपक्रम भेल, नगर निगम हो या बीएमएचआरसी और तो और इस बार मानव संग्रहालय ने सहभागिता की और पुरस्कार भी जीते। राजधानी की जितनी संस्थाएं भाग ले रही हैं, उससे ज्यादा भोपाल के रहने वाले भाग ले रहे हैं। संस्थाओं के बड़े से बड़े गुलाब उद्यान के अलावा लोगों ने अपने व्यक्तिगत भी गुलाब उद्यान तैयार कर लिए हैं, जो हर साल पुरस्कार जीत रहे हैं। यह इस बात के जीते जागते उदाहरण हैं कि मध्य प्रदेश रोज सोसायटी ने गुलाब को हर व्यक्ति के दिल तक पहुंचा दिया है। साथ ही इस सोसायटी के सदस्य विदेशो में आयोजित होने वाले रोज कन्वेंशन में भी भाग लेते रहे और आज उसी का नतीजा है कि भारत, मध्य प्रदेश के भोपाल शहर के निवासी सुशील प्रकाश वर्ल्ड रोज फेडरेशन के अध्यक्ष बन सके। इसमें एक बात याद आती है कि एसएस गद्रे भेल कारखाने में सर्विस करते थे और भेल के मकान में रहते थे। वहीं उन्हें गुलाब के पौधे लगाने का शौक पैदा हुआ और उनके इस शौक ने भोपाल को गुलाबों की नगरी बना दया। रोज सोसायटी से जुड़े अधिकतर लोग उनके संपर्क में आने के बाद ही गुलाब की दुनिया में आ गए। रोज सोसायटी के हर आयोजन में अपनी भूमिका भी निभा रहे हैं। रोज सोसायटी के फाउंडर तो अब इस दुनिया में नहीं रहे, लेकिन अगर वो होते तो वो भी यही बात कहते कि एसएस गद्रे की ही मेहनत है कि राजधानी के सबसे बड़े और गैर राजनीतिक आयोजन गुलाब प्रदर्शनी में हर व्यक्ति पहुंचने की कोशिश करता है। एसएस गद्रे और सुशील प्रकाश अपनी टीम के साथ पूरे विश्व में गुलाब से संबंधित आयोजन में भाग लेते रहे और भोपाल का नाम अब पूरे विश्व में गुलाब की नगरी के रूप में जाना जाता है। उसी का नतीजा भी है कि वर्ल्ड रोज कनवेंशन की मेजवानी करने का सौभाग्य भोपाल को मिल रहा है।

सुशील प्रकाश, अध्यक्ष वर्ल्ड रोज फेडरेशन

एस एस गद्रे अध्यक्ष मप्र रोज सोसायटी

ग्रीनलैंड बनेगा अमेरिका का 51वाँ राज्य, फ्लोरिडा के सांसद ने पेश किया ऐतिहासिक 'एनेक्सेशन बिल'

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिकी राजनीति में एक चौंकाने वाले घटनाक्रम के तहत, फ्लोरिडा के रिपब्लिकन सांसद रैंडी फाइन (Randy Fine) ने मंगलवार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (US House of Representatives) में एक विधेयक पेश किया है। इस विधेयक का उद्देश्य दुनिया के सबसे बड़े द्वीप, ग्रीनलैंड को संयुक्त राज्य अमेरिका का 51वाँ राज्य बनाना है। रैंडी फाइन ने औपचारिक रूप से ग्रीनलैंड एनेक्सेशन एंड स्टेटहुड एक्ट पेश किया, जिसका मकसद अमेरिकी सरकार को ग्रीनलैंड के विलय और आखिरकार उसे राज्य का दर्जा देने के लिए कानूनी अधिकार देना है। सांसदों ने इस कदम को आर्कटिक में बढ़ते चीनी और रूसी प्रभाव का मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण बताया है, लेकिन इस प्रस्ताव ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ा विरोध और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ा दिया है।

पास होने के बाद, नया बिल राष्ट्रपति ट्रंप को ग्रीनलैंड को अमेरिकी क्षेत्र के रूप में बातचीत करने या हासिल करने के लिए "जो भी ज़रूरी कदम उठाने" का अधिकार देगा और आखिरकार अमेरिकी राज्य का दर्जा देने के लिए ज़रूरी सुधारों पर कांग्रेस को पूरी रिपोर्ट देने का निर्देश देगा।

रैंडी फाइन ने यह बिल इसलिए पेश किया है ताकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को डेनमार्क के क्षेत्र ग्रीनलैंड को हासिल करने और आखिरकार उसे संयुक्त राज्य अमेरिका का हिस्सा बनाने के लिए ज़रूरी कदम उठाने की अनुमति मिल सके।

फाइन ने कहा कि ग्रीनलैंड अमेरिकी सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आर्कटिक में स्थित है और व्यापार, सैन्य आवाजाही और ऊर्जा परिवहन के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रमुख शिपिंग मार्गों को नियंत्रित कर सकता है। उन्होंने कहा, "अमेरिका उस भविष्य को ऐसे शासनों के हाथों में नहीं छोड़ सकता जो हमारे मूल्यों से नफरत करते हैं और हमारी सुरक्षा को कमजोर करना चाहते हैं।"

अमेरिका को उन देशों को अनुमति नहीं देनी चाहिए जो अमेरिकी मूल्यों का विरोध करते हैं- फाइन ने यह भी चेतावनी दी कि अमेरिका को उन देशों को ग्रीनलैंड पर प्रभाव हासिल करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए जो अमेरिकी मूल्यों या सुरक्षा हितों का विरोध करते हैं। इससे पहले, राष्ट्रपति ट्रंप ने ग्रीनलैंड में अपनी दिलचस्पी दोहराई थी, इसे अमेरिकी रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए "पूरी तरह से ज़रूरी" बताया था और कहा था कि बीजिंग और मॉस्को के साथ बढ़ते वैश्विक मुकाबले के बीच वाशिंगटन को "ग्रीनलैंड की ज़रूरत है"।

वैश्विक स्तर पर तीखी प्रतिक्रिया :

हालांकि अमेरिका के भीतर इस प्रस्ताव पर चर्चा गर्म है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे कड़ा प्रतिरोध मिल रहा है:

डेनमार्क और ग्रीनलैंड की स्थिति: ग्रीनलैंड वर्तमान में डेनमार्क के साम्राज्य के भीतर एक स्वायत्त (Autonomous) क्षेत्र है। डेनमार्क के अधिकारियों ने पहले भी ऐसे किसी भी विचार को सिरे से खारिज कर दिया था, यह कहते हुए कि "ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है।"

भू-राजनीतिक तनाव: इस विधेयक ने नाटो (NATO) सहयोगियों के बीच तनाव पैदा कर दिया है। यूरोपीय संघ के कई नेताओं ने इसे संप्रभुता का उल्लंघन और 'पुरानी औपनिवेशिक मानसिकता' का उदाहरण बताया है।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय
गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706

सारंगपुर में भव्य युवा संगम रोजगार मेला आयोजित, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया वर्चुअल संबोधन

92 कंपनियों द्वारा 10 हजार 112 बच्चे चयनित, अन्य कंपनियों का डाटा अभी शेष

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

सारंगपुर की धरती पर स्वामी विवेकानंद जी की 163वीं जयंती एवं युवा दिवस के अवसर पर भव्य युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं कन्या पूजन के साथ हुआ। साथ ही वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं सूक्ष्म लघू मध्यम उद्यम एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री चैतन्य काश्यप शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में सीहोर, शाजापुर, गुना एवं आगर-मालवा के इस युवा संगम रोजगार मेले के लिए सभी को बधाई एवं प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि मेले में 125 से अधिक कंपनियां सम्मिलित हुई हैं और 16 हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। महिलाओं की अच्छी भागीदारी रही, वहीं दिव्यांग भाई-बहनों की उपस्थिति सबसे अधिक प्रसन्नता देने वाली है, क्योंकि उन्हें सामान्य जनों से अलग कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नौकरी केवल नियुक्ति नहीं, बल्कि एक सपना होती है। युवाओं को रोजगार पाने के साथ-साथ भविष्य में रोजगार देने वाला बनना चाहिए। यह मेला स्वावलंबन और सम्मान की दिशा में एक सशक्त प्रयास है। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया गया, दिव्यांगजनों के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गईं, विदेशों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं और महिलाओं के लिए भी अनेक प्रकार की वैकेंसी रखी गई हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन विवेकानंद जयंती को सार्थक बनाता है। सीखो-कमाओ योजना के तहत 20 हजार से अधिक युवाओं को स्टाइपेंड दिया गया है। सरकार का कार्य केवल सड़क, बिजली, पानी और आधारभूत संरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को जोड़कर युवाओं के सपनों को साकार करना भी है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में युवाओं को रोजगार के निरंतर अवसर -डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी

राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में युवाओं को जोड़ने और उन्हें रोजगार देने का निरंतर कार्य किया जा रहा है। हर माता-पिता का सपना होता है कि उनका बच्चा आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर या इंजीनियर बने और सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के लिए अवसर दे रही है। उन्होंने कहा कि नौकरियों की संख्या सीमित होती है, फिर भी हमारी सरकार ने 1 लाख 80 हजार लोगों को रोजगार प्रदान किया है। युवाओं को हतोत्साहित न होने की सलाह देते हुए उन्होंने अपना उदाहरण साझा किया कि राजनीति में आने से पहले उन्होंने 13 साल तक मोटर वाइंडिंग का काम किया, फिर पीएससी से प्रोफेसर बने और आप सभी के विश्वास से सांसद बने।

राज्यसभा सांसद डॉ. सोलंकी ने कहा कि पहले इस तरह के रोजगार मेलों का आयोजन नहीं होता था। आईटीआई और कौशल विकास संस्थानों की बहुत आवश्यकता है, क्योंकि ये जीवन को चमकाने और हुनर विकसित करने का काम करते हैं। विदेश दौरे का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बाहर मैनपावर बहुत महंगी है। यदि भारतीय युवा स्किल्ड हों तो विदेशों में भी उनकी भारी मांग है। देश और दुनिया में कुछ कर दिखाने के लिए कभी-कभी मातृभूमि छोड़कर भी जाना पड़ता है। युवा दिवस पर स्वामी विवेकानंद के विचारों का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को तब तक चलते रहना चाहिए, जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए। अंत में उन्होंने कहा कि जब कौशल होता है तभी मांग विकसित होती है और तभी अच्छा वेतन भी मिलता है।

कौशल ही सफलता की कुंजी, हतोत्साहित न हों युवा – राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार विभाग श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि मेले में बड़ी-बड़ी कंपनियां शामिल हुई हैं, जिनके माध्यम से लगभग 5000 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा तथा 20 हजार युवाओं तक पहुंच बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद एवं अभिनंदन किया तथा विशेष रूप से नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले दिव्यांग भाई-बहनों का हृदय से अभिनंदन किया।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने विवेकानंद जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कपिल मुनि की तपोभूमि पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। युवाओं को जब कौशल विकास का अवसर मिलता है तो विकास के नए आयाम खुलते हैं। कौशल और हुनर को आजीविका से जोड़ना अनिवार्य है। आईटीआई व पॉलिटेक्निक जैसे कार्यक्रम स्किल डेवलपमेंट की मजबूत नींव हैं। हमारा युवा नौकरी मांगने वाला नहीं, नौकरी देने वाला बने। एक छत के नीचे कंपनियों की मौजूदगी युवाओं के लिए सुनहरे अवसर है। सरकार आपके साथ है— अपने कौशल को निखारें और नौकरी का सपना पूरा करें। कंपनियों के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इसी तरह स्थायी रोजगार का सृजन होता रहे। मध्यप्रदेश का युवा प्रतिभाशाली है, उन पर पूरा विश्वास है। इस दौरान विधायक राजगढ़ श्री अमर सिंह यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल के मार्गदर्शन में यह प्रेरणादायक युवा संगम आयोजित किया गया है। बड़ी-बड़ी कंपनियों की भागीदारी से युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे शांतिपूर्वक फॉर्म भरें, पंजीकरण कराएं और मोबाइल नंबर अवश्य दर्ज कराएं।

विधायक खिलचीपुर श्री हजारीलाल दांगी ने कहा कि आज 5 जिलों के युवा रोजगार प्राप्त करने इस मेले में आए हैं। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल के अथक प्रयासों से सारंगपुर की धरती पर इतना बड़ा रोजगार मेला आयोजित हुआ है। एलएंडटी जैसी कंपनियों ने बड़ी संख्या में लोगों को काम दिया है। विकास के द्वार खुले हैं और राजगढ़ जिले के लगभग 5000 युवाओं को रोजगार मिलेगा। यह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संकल्प और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सपना है।

कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने कहा कि कपिलेश्वर मुनि की पावन धरती पर आज इस भव्य कार्यक्रम में राज्यसभा सासंद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, आयुक्त रोजगार विभाग श्री गिरीश शर्मा, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल कौशल विकास एवं रोजगार विभाग श्री गौतम टेटवाल, विधायक राजगढ़ श्री अमर सिंह यादव, विधायक खिलचीपुर श्री हजारीलाल दांगी सहित विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि, प्रेस के साथी और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित हैं।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने इस आयोजन से प्रेरणा ली है और आगे भी रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए कंपनियों से लगातार संपर्क किया जा रहा है। कंपनियों की जो उपस्थिति का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, उससे कहीं अधिक कंपनियां यहां सम्मिलित हुई हैं और बड़ी संख्या में युवाओं का पंजीयन किया गया है। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने बताया कि 8 कंपनियां विशेष रूप से दिव्यांग भाई-बहनों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों, कंपनियों, जनप्रतिनिधियों और युवाओं का अभिनंदन एवं धन्यवाद किया।

सांरगपुर में आयोजित रोजगार मेले का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया, जिसमें दिव्यांगजन बच्चों सहित विभिन्न वर्गों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मेले के दौरान योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया गया और उन्हें विभिन्न कंपनियों द्वारा ऑफर लेटर प्रदान किए गए। जिसमें दिव्यांगजन बच्चों में दीपक प्रजापति, भावेश, तुषार सिनोतिया, राजीत चौहान, हरिश मालवीय, अभिषेक मालवीय को ऑफर लेटर प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास किया गया हैं।

साथ ही विभिन्न वर्गों के बच्चों जिनमें रीता गुजराती, विकास चौधरी, हरिओम चौधरी, अंजली टेलर, संदीप राव, रितेश टेलर, पुष्पराज लोधी, राहुल लोधी, आयुष सिंह परमार, नवीन कसेरीया, गौरव वर्मा, आदर्श, कृतिका राजपूत, भावना कुवर, साक्षी राठौर, कशिश साहू, देवराज, गोविन्द वर्मा, सुनिल सौंधिया, राहूल दांगी, कौरीलाल परिहार, विष्णु परिहार, यशवंत प्रजापति, गौविन्द वर्मा, सुरेश मालवीय, विकास अग्रवाल, सुनिल वर्मा, रामबाबु वर्मा, कपिल, विनय वर्मा, बालचंद, विशाल मलहौत्रा, लक्की पंचाल, विशाल एवं सचिन पंचाल को आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास किया गया।

वृहद युवा संगम कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्व-रोजगार मूलक योजनाओं के अंतर्गत प्रधानमंत्री सूक्ष्म उद्यम योजना अंतर्गत अभय पाटीदार को 18 लाख रूपये, ओमप्रकाश दांगी को 15 लाख रूपये, राहुल परमार को 27 लाख 37 हजार रूपये एवं सुषमा यादव को 14 लाख 8 हजार रूपये का चेक मंच से प्रदान किया गया। इसी प्रकार जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र राजगढ़ द्वारा श्री संजय पुष्पद को 10 लाख रूपये, श्री सत्यम जोशी को 7.60 लाख रूपये, श्री महेन्द्र परिहार को 5 लाख रूपये, अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित द्वारा श्री संदीप कुमार को 12.8 लाख रूपये, श्रीमती रीना मालवीय को 4 लाख रूपये, श्री देवकरण जाटव को 10 लाख रूपये एवं श्री महेश कुमार भिलाला को 1.50 लाख रूपये का चैक प्रदान किया गया साथ ही मंच से 176 स्वयं सहायता समूहों को 5 करोड 35 लाख रूपये का चेक वितरित किया गया।

मेगा युवा संगम में प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ एमओयू संपन्न- 12 जनवरी को आयोजित मेगा युवा संगम कार्यक्रम में युवाओं को रोजगार एवं कौशल विकास से जोड़ने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों एवं संस्थाओं के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर क्वेस एलायंस, टीवीएस मोटर कंपनी, बजाज ऑटो लिमिटेड (टाटा स्ट्राइव के माध्यम से), जगुआर एंड कंपनी प्रा.लि., किरण फाउंडेशन एवं इनोवेशन कॉम्स के साथ सहभागिता सुनिश्चित की गई। इन एमओयू के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षण, रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रशासन ने सभी सहभागी कंपनियों एवं संस्थाओं के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

सारंगपुर युवा संगम (रोजगार मेले) मेले ने रचा इतिहास - मध्यप्रदेश में इस वित्तीय वर्ष में कुल 626 रोजगार मेले लगाये गए थे। जिसमें से 102000 युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया था किंतु सारंगपुर रोजगार मेले में एक ही दिन में 10000 से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया हो पूरे प्रदेश में आज तक का इतिहास है।इस दौरान विधायक प्रतिनिधि पृथ्वीराज टेटवाल, नगरपालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल, मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद, गुलावता मंडल अध्यक्ष गिरवर भंडारी, पढ़ाना मंडल अध्यक्ष शेखर शर्मा,सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

समीक्षा कृति के गुण दोषों के साथ उसका सम्यक मूल्यांकन भी कृति है -डॉ. जितेंद्र जीतू

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

'समीक्षा कृति के गुण दोषों के साथ उसका सम्यक मूल्यांकन भी करती है, लेखक के लिए पुस्तक लिखना जितना महत्वपूर्ण है एक समीक्षक के लिए एक अच्छी समीक्षा करना भी एक महत्वपूर्ण कार्य, लघुकथा शोध केंद्र समिति द्वारा पुस्तकों पर विमर्श का यह आयोजन साहित्य को नई दिशा दे रहा है | ' यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार आलोचक डॉ. जितेंद्र जीतू के जो लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित पुस्तक पख़वाड़े के ग्यारहवे सत्र की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे | इस आयोजन में स्वागत उदबोधन केंद्र की ओर से सचिव घनश्याम मैथिल अमृत ने दिया, तातपश्चात् चित्रा राघव राणा के कुशल संचालन में विमर्श आयोजन का शुभारम्भ हुआ | सर्वप्रथम 'तमसो मा ज्योतिगर्मय ' (काव्य संग्रह) डॉ. श्रीलता सुरेश, बंगलुरु कर्नाटक पर विमर्श में भाग लेते हुए समीक्षक डॉ. शबनम सुल्ताना ने कहा कि -मन के अंधकार को हर रौशनी कि ओर ले जाती कविताएं हैं, आध्यत्मिकता के भाव से सम्परक्त रंग बिरंगे फूलों का गुलदस्ता हैं संग्रह कि कविताएं | ' इस विमर्श कि दूसरी कृति थीं 'पतझड़ का मौसम (लघुकथा संग्रह) लेखिका मृदुल त्यागी इस कृति कि समीक्षा करते हुए समीक्षक कर्नल डॉ. गिरजेश सक्सेना ने कहा कि -लेखिका ने इन लघुकथाओं के महत्वपूर्ण विषय अपने आसपास से उठाये हैं, इनका शिल्प सहज सरल है इसलिए यह सीधे पाठक के ह्रदय में उतर जाती हैं | ' आयोजन की तीसरी पुस्तक जिसपर विमर्श हुआ वह थीं 'मेरी प्रिय कहानियां ' लेखिका अनिता रश्मि रांची (झारखंड) इस कृति पर बोलते हुए समीक्षक मुज़फ्फर इक़बाल सिद्दीकी ने कहा की - कहानियों के सभी पात्र जीवंत हैं जो जीवन के लिए संघर्ष करते हैं, सहज ढंग से कहानियां आगे बढ़ती हैं उनमें आँचलिकता की मिठास है | ' समीक्षा के इस सत्र के पश्चात् डॉ. श्रीलता सुरेश, श्रीमती मृदुल त्यागी, श्रीमती अनिता रश्मि ने अपने लेखकीय वक्तव्य देकर केंद्र का आभार प्रकट किया | आयोजन में देश दुनियां के अनेक महत्वपूर्ण साहित्यकार पाठक समीक्षक उपस्थित थे |

आज स्पेस टेक नीति 2026 को मंजूरी देगी मोहन सरकार, कैबिनेट में 800 मेगावाट सोलर एनर्जी के स्टोरेज की परियोजनाओं को मिलेगी मंजूरी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अगुवाई में आज होने वाली राज्य कैबिनेट की बैठक में कई अहम नीतिगत फैसलों पर मुहर लगने जा रही है। कैबिनेट में मध्यप्रदेश स्पेस टेक नीति-2026 को मंजूरी दी जाएगी। इसके साथ ही सोलर एनर्जी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विद्युत भंडारण (स्टोरेज) से जुड़ी तीन बड़ी परियोजनाओं को भी स्वीकृति मिलने की संभावना है।

सोलर एनर्जी के लिए तीन अहम एजेंडे- कैबिनेट बैठक में जिन तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी जाएगी। इन परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को स्थायित्व देने और पीक डिमांड के समय निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। ये परियोजनाएं इस प्रकार हैं।

सोलर सह 4 घंटे की 300 मेगावाट विद्युत प्रदाय स्टोरेज परियोजना- स्पेस टेक नीति 2026 के जरिए राज्य सरकार का उद्देश्य स्पेस टेक्नोलॉजी, सैटेलाइट डेटा, ड्रोन, जियो-स्पेशियल एप्लीकेशन और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना है। इससे रिसर्च, इनोवेशन और निजी निवेश को आकर्षित करने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

कैबिनेट बैठक में एक बार फिर इंदौर नगर के मध्य स्थित जामा मस्जिद क्षेत्र से जुड़े भूमि आवंटन के मुद्दे पर चर्चा होगी। यह एजेंडा दिग्विजय सिंह सरकार के 27 सितंबर 2003 के फैसले पर पुनर्विचार के लिए लाया गया है।

उस फैसले के तहत जामा मस्जिद के नमाजियों और क्षेत्र के नागरिकों के लिए चिकित्सालय, वाचनालय, उद्यान, कम्युनिटी हॉल और विद्यालय के निर्माण के लिए भूमि आवंटन का निर्णय लिया गया था।

यह एजेंडा पिछले महीने भी कैबिनेट में शामिल किया गया था, लेकिन ऐन वक्त पर इसे डिफर कर दिया गया था। अब एक बार फिर इस पर विस्तार से विचार किए जाने की संभावना है।

वर्ष 2026-27 की नई आबकारी नीति के लिए मंत्रिपरिषद समिति के गठन प्रस्ताव को मंजूरी।

मध्यप्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम 2017 के अंतर्गत जारी अधिसूचनाओं को कैबिनेट की मंजूरी।

मोहनपुरा विस्तारीकरण (सारंगपुर) सिंचाई परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति।

सुल्तानपुर उद्वहन सिंचाई परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति।

बारना उद्वहन सिंचाई परियोजना को प्रशासकीय स्वीकृति।

भारतीय वन सेवा के अधिकारी सुदीप सिंह को रिटायरमेंट के बाद मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड भोपाल के सदस्य सचिव के संविदा पद पर नियुक्ति को मंजूरी।

उद्योग संवर्धन नीति 2025 के लागू होने के बाद लंबित उद्योग संवर्धन नीति 2014 की प्रभावशील अवधि के दौरान मेगा श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों को मिलने वाले कस्टमाइज्ड पैकेज के आवेदनों के निराकरण के संबंध में चर्चा।

स्कूल शिक्षा विभाग के प्रस्ताव पर सांदीपनि विद्यालय योजना के दूसरे चरण के लिए 200 नए सांदीपनि विद्यालयों को मंजूरी।

शैक्षणिक संवर्ग के शिक्षकों, सहायक शिक्षक, उच्च श्रेणी शिक्षक तथा नए शैक्षणिक संवर्ग को चतुर्थ क्रमोन्नत वेतन मान योजना लागू करने पर विचार।

परिवहन विभाग के प्रस्ताव पर ग्वालियर व्यापार मेला 2026 और उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला 2026 में आटोमोबाइल बेचने पर परिवहन टैक्स में 50 प्रतिशत छूट दिए जाने पर चर्चा।

उज्जैन शहर की जल आवर्धन योजना को मंजूरी दिए जाने के नगरीय विकास विभाग के प्रस्ताव पर चर्चा।

सामान्य प्रशासन विभाग के प्रस्ताव पर रिटायर्ड आईएएस गोपाल चंद्र डांड को मुख्यमंत्री कार्यालय में ओएसडी बनाने जाने के मामले में एक साल की वृद्धि किए जाने का अनुसमर्थन।

गतांक से आगे : लोक कल्याण हेतु दादाजी का अवतरण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

आस्था के आयाम, आत्माभिव्यक्ति और परम कृपालु श्री दादाजी गुरुदेव के संबंध में कुछ भी कह पाना,लिख पाना अथवा समझ पाना सूर्य के समक्ष दीपक दिखाने के समान है। यह सब परमपिता परमात्मा की असीम अनुकम्पा तथा आप सभी पाठकों के स्नेह, श्रद्धा और आशीर्वाद का ही परिणाम है कि उनके श्रीचरणों की महिमा को शब्दों में पिरोने का यह विनम्र प्रयास कर पा रहा हूँ। दिनांक 4 जनवरी 1998, रात्रि 9:15 बजे, मेरे जीवन में एक अत्यंत भीषण दुर्घटना घटित हुई। संयोगवश उसी दिन रविवार को श्री दादाजी धाम की प्रथम बैठक, श्री दादाजी गुरुदेव के निवास शिवाजी नगर में आयोजित थी, जिसमें मुझे भी सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वह दिन मेरे जीवन का अंतिम दिन सिद्ध हो सकता था, किंतु परम कृपालु श्री दादाजी महाराज की अहेतुकी कृपा ने उसे मेरे लिए जीवनदान में परिवर्तित कर दिया। भोपाल के चिरायु अस्पताल से मुझे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। उस समय परम कृपालु श्री श्री 1008 दादाजी गुरुदेव (साईंखेड़ा

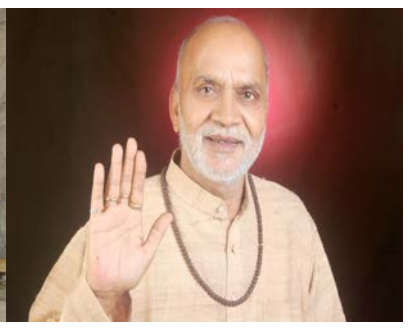

वाले), सोमवार की संध्या को भक्तों को दरबार में ही छोड़कर स्वयं चिरायु अस्पताल पधारे और अपने दिव्य आशीर्वाद से मुझे नया जीवन प्रदान किया। आज मेरा सम्पूर्ण जीवन दादाजी की कृपा का ही प्रतिफल है। यह जीवन, यह श्वास-प्रश्वास, यह चेतना सब कुछ श्री दादाजी के चरणों में समर्पित है। वे ही मेरे बलदाता, बुद्धिदाता और जीवनप्रदाता हैं। मेरी प्रत्येक कठिन घड़ी में वे साक्षात मार्गदर्शक बनकर उपस्थित रहे हैं। मेरी कमियों का लेखा-जोखा यदि मैं दिन-रात लिखता रहूँ, तब भी अधूरा ही रहेगा। किंतु दादाजी की कृपा से मेरा जीवन अब एक सार्थक, सकारात्मक और कल्याणकारी दिशा की ओर अग्रसर है। मेरी प्रत्येक सांस श्री दादाजी की कृपा का ही परिणाम है। विगत तीन वर्षों में जीवन की अनेक मझधारों, असहाय परिस्थितियों और संकटों से उबरने का संपूर्ण श्रेय मेरे सद्गुरुदेव श्री दादाजी को ही जाता है। समर्पण का भाव, श्रद्धा का बल और विश्वास की छाया सदैव बनी रहे—यही श्री दादाजी के श्रीचरणों में मेरी करबद्ध प्रार्थना है। श्री दादाजी की कृपा और अनुग्रह से मुझे निरंतर स्नेह एवं आशीर्वाद प्राप्त होता रहा है और आगे भी मिलता रहे यही कामना है।

अखिल भारतीय असाटी समाज महासभा के तत्वाधान में शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दिनांक 11 जनवरी दिन रविवार को स्लिमनाबाद कटनी असाटी मैरिज गार्डन में असाटी वैश्य समाज विकास समिति जबलपुर के आयोजन में अखिल भारतीय असाटी समाज महासभा का , असाटी वैश्य समाज विकास समिति जबलपुर, असाटी वैश्य समाज विकास समिति कटनी एवं भरोला असाटी समाज समिति का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र असाटी जी को मंचासिन कराया गया इसके बाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बहोरीबंद विधायक प्रणय प्रभात पांडे गुड्डू भैया, सम्माननिय विशेष अतिथि अशोक गुप्ता जी भोपाल, सुरेश बाबू जी, इंजी श्री रमेश असाटी जी, डॉ रमेश असाटी डॉ एम के नायक , के के असाटी , गोविन्द दास जी, अशोक बाबूराम जी, अरुण जी, श्रीमती शशि एवं श्री अंकुर को मंचासिन कराया गया।

मुख्य मंच के दाएं मंच पर महासभा एवं समिति के संरक्षक एवं निवर्तमान महासभा के पदाधिकारी को मंचासिन कराया गया। मुख्य मंच के बाई तरफ मंच पर वर्तमान महासभा के निर्वाचित पदाधिकारी को मंचासिन कराया गया। सभागृह के प्रथम पंक्ति पर समाज के पत्रकार बंधुओं को स्थान दिया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ संगीतमय हनुमान चालीसा का पाठ सत्येंद्र एवं रामजी द्वारा किया गया।

मंचीय कार्यक्रम का श्री गणेश दीप प्रज्वलन अतिथि द्वारा किया गया। समाज के दिवंगत प्रेरणास्त्रोत स्व. रामसेवक असाटी, स्व. श्री मुरलीधर असाटी, स्व श्री तुलसी राम पाण्डे के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। गणेश वंदना सत्येंद्र द्वारा किया गया। मंचीय अतिथि, संरक्षक मंडल, पूर्व पदाधिकारी, पत्रकार बंधुओं, उपस्थित समाज बंधुओं , मातृशक्तियों का सम्मान एवं स्वागत किया गया।

स्वागत भाषण सत्येंद्र असाटी द्वारा दिया गया।

महासभा के पदाधिकारीयों की शपथ प्रारंभ की गई। सभी पदाधिकारी को मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ एम के नायक द्वारा निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष को शपथ अशोक गुप्ता भोपाल द्वारा ,राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, राष्ट्रीय संयुक्त सचिव को शपथ श्री सुरेश बाबू जी द्वारा, जोन उपाध्यक्ष को श्री इंजी रमेश जी द्वारा, जोन मंत्री की डॉ रमेश द्वारा दिलाई गई।

असाटी वैश्य समाज विकास समिति जबलपुर के अध्यक्ष सुनील मंचू असाटी, समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारणी सदस्यों को शपथ गोविंददास असाटी द्वारा दिलाई गई। असाटी वैश्य समाज विकास समिति कटनी के अध्यक्ष शैलेन्द्र असाटी, पदाधिकारी एवं कार्यकारणी सदस्यों को शपथ तिरोड़ा नगर परिषद अध्यक्ष अशोक असाटी दिलाई गई।

भरोला असाटी समाज के अध्यक्ष शशिधर असाटी , पदाधिकारी एवं कार्यकारणी सदस्यों को महासभा अध्यक्ष विनय असाटी द्वारा दिलाई गई।

शपथ ग्रहण के पश्चात समाज के तीन दिवंगत प्रेरणास्त्रोत स्व. श्री रामसेवक असाटी,स्व, श्री मुरलीधर असाटी, स्व श्री तुलसी राम पाण्डे के परिवार जनों का सम्मान किया गया।

अखिल भारतीय असाटी समाज महासभा के युवा अध्यक्ष चंद्रकांत नायक द्धारा स्व. श्री लेफ्टिनेंट सौम्य असाटी, आमगांव को युवा समाज रत्न से सम्मानित किया गया।

भोजन अवकाश के उपरांत महासभा के निर्वाचित पदाधिकारी एवं जबलपुर समिति का सम्मान स्मिता चिल्ड्रन एकेडमी के संचालक मनीष , गढ़ा द्वारा किया गया।

महासभा के निवर्तमान पदाधिकारी, सदस्यता सह प्रभारी राजेंद्र , मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ एम के नायक एवं जबलपुर समिति चुनाव अधिकारी श्री के के असाटी का सम्मान किया गया।

राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष द्वारा विधायक को पिछड़ा वर्ग में शामिल करवाने हेतु ज्ञापन दिया गया।

अतिथि उद्बोधन में, डॉ रमेश असाटी, इंजी रमेश जी, अशोक गुप्ता असाटी विधायक प्रतिनिधि, गोविन्ददास , डॉ एम के नायक, अरुण , श्रीमती शशि द्वारा समाज के समक्ष अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष वीरेंद्र असाटी द्वारा अपनी वाणी से सभी समाज बंधुओं को संबोधित किया।

महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय असाटी ने अपनी कार्ययोजना पर प्रकाश डाला, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती नीतू असाटी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा अध्यक्ष चंद्रकांत नायक ने समाज के समझ अपनी कार्ययोजना को रखा।

कार्यक्रम का आभार राष्ट्रीय महामंत्री महेश असाटी द्वारा किया गया । कार्यक्रम का कुशल संचालन शैलेन्द्र गुप्ता , पूर्व महामंत्री महासभा द्वारा किया गया । मंचीय सहयोग श्री आधार मोदी, डॉ अंकित असाटी एवं सतेंद्र द्वारा किया गया ।

मंचीय व्यवस्था, आवास व्यवस्था, सभागृह व्यवस्था, भोजन व्यवस्था जबलपुर समिति के अध्यक्ष श्री सुनील मंचू असाटी,पदाधिकारी एवं कार्यकारणी सदस्यों द्वारा शानदार की गई थी।

स्व. कैलाश नारायण सारंग की प्रतिमा से छेड़छाड़ एवं आवरण जलाने की घटना पर सर्वसमाज में आक्रोश

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भाजपा के संस्थापक सदस्य, वरिष्ठ पूर्व सांसद एवं अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, सामाजिक समरसता के प्रतीक स्व. कैलाश नारायण सारंग की प्रतिमा पर लगाए गए आवरण (कपड़े) को जलाए जाने एवं प्रतिमा से छेड़छाड़ की घटना को लेकर सर्वसमाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। घटना के विरोध में सोमवार को सर्वसमाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस आयुक्त हरिनारायण मिश्रा से भेंट कर दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने इस कृत्य को समाज की भावनाओं को आहत करने वाला एवं कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाला बताया तथा शीघ्र और सख्त कार्रवाई का आग्रह किया। पुलिस आयुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संबंधित अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि प्रकरण में त्वरित जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री अजय श्रीवास्तव 'नीलू', प्रदेशाध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव, प्रदेश महामंत्री ब्रजेश श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष महेंद्र श्रीवास्तव, प्रमोद नेमा (नेमा समाज), ललित जैन, अजय देवनानी (चेंबर ऑफ कॉमर्स), तेजपाल सिंह पाली, वेंकटेश गोयल, मुकेश राठौर (राठौर समाज), प्रमोद चुग (विश्रामघाट समिति), शैलेन्द्र वर्मा (जाट समाज), अभय प्रधान (प्रवक्ता), मनोज जैन बंगा (दिगंबर जैन समाज), रवि गगरानी (माहेश्वरी समाज), राजकुमार, चन्द्रशेखर तिवारी (हिंदू उत्सव समिति), आलोक श्रीवास्तव, सौरभ कुलश्रेष्ठ, अनिल श्रीवास्तव, दिनेश श्रीवास्तव, संजय पटेल (गुजराती समाज), शिव यादव (यादव समाज), दीपक लालचंदानी (सिंधी समाज), बंटी साईं गोस्वामी एवं गिरधर राठी सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सर्वसमाज ने एक स्वर में मांग की कि समाज में शांति, सौहार्द एवं सम्मान की भावना को ठेस पहुँचाने वाले ऐसे कृत्यों पर कठोर संदेश देने वाली कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी इस प्रकार का दुस्साहस न कर सके।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर दीपक गुप्ता ने किया माल्यार्पण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भेल स्थित कमला नेहरू उद्यान में शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर श्रमिक नेता दीपक गुप्ता ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि "स्वामी विवेकानंद केवल भारत के नहीं बल्कि पूरे विश्व के आध्यात्मिक दूत थे। जिन्होंने 19 वीं सदी में ही देश की प्रत्येक महिलाओं को महारानी कहा था।जिन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास, राष्ट्रभक्ति और चरित्र निर्माण का संदेश दिया। युवा शक्ति यदि सही दिशा में संचालित हो तो पूरा राष्ट्र आगे बढ़ सकता है।"

दीपक गुप्ता ने कहा कि आज की पीढ़ी को विवेकानंद के संदेशों से जुड़ना चाहिए क्योंकि विवेकानंद जी ने विश्व के मंच पर भारत को केवल दर्शन और अध्यात्म का संदेश ही नहीं दिया, बल्कि उन्होंने यह भी सिद्ध किया कि भारतीय ज्ञान अपने आप में वैज्ञानिक, तार्किक और आधुनिक है। उनके विचार आज भी अमेरिकी विश्वविद्यालयों से लेकर एशिया और यूरोप तक पढ़ाए जाते हैं, जिससे स्पष्ट है कि विवेकानंद का प्रभाव पूरी दुनिया में स्थापित है।

कार्यक्रम में ओंकार सिंह, सुशील प्रजापति, सुंदरन सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान युवाओं के बीच "उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक मत रुको" जैसे प्रेरक संदेशों को भी स्मरण किया गया।

अंत में उपस्थित जनों ने स्वामी विवेकानंद जयंती को आदर्शों, चरित्र, कर्तव्य और अनुशासन के साथ आगे बढ़ें—यह वही मार्ग है जिसे स्वामी विवेकानंद ने पूरे जीवन में अपनाया और दुनिया को दिखाया।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर भोपाल में युवा चेतना का जागरण, गायत्री शक्ति पीठ पर मशाल जलाकर लिया, राष्ट्र निर्माण का संकल्प

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

स्वामी विवेकानंद जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आज 12 जनवरी को गायत्री शक्ति पीठ, भोपाल में युवाओं द्वारा भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर युवाओं ने मशाल प्रज्वलन कर राष्ट्र, समाज और आत्मनिर्माण के लिए संकल्प लिया। पूरा वातावरण "उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको" के ओजस्वी विचारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभाकांत तिवारी जी उपस्थित रहे। उनके साथ विशेष रूप से अमर धाकड़ जी (सह-समन्वयक, मध्यप्रदेश), अनमोल पाठक जी, राम प्रकाश गुप्ता जी, शिवदयाल जी, पंकज जी, गोपाल जी,तथा अभिषेक परमार जी (मीडिया प्रभारी) की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथियों में सम्मिलित तिवारी जी ने कहा स्वामी विवेकानंद के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का युवा ही भारत के भविष्य का निर्माता है। गायत्री परिवार द्वारा चलाया जा रहा यह युवा जागरण अभियान चरित्र निर्माण, राष्ट्रभक्ति और सेवा भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। मशाल प्रज्वलन को अज्ञान के अंधकार को दूर कर चेतना के प्रकाश को फैलाने का प्रतीक बताया गया। कार्यक्रम में गायत्री शक्ति पीठ की पूरी युवा टीम की सक्रिय सहभागिता रही। अनुशासित, ऊर्जावान और संकल्पबद्ध युवाओं ने यह संदेश दिया कि विवेकानंद का युवा भारत आज भी जीवित है और राष्ट्र को नई दिशा देने के लिए तैयार है। यह आयोजन युवाओं में आत्मविश्वास, कर्तव्यबोध और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ।

स्लॉटर हाउस में गौमांस मामले पर मंत्री विश्वास सारंग का कड़ा बयान

गौहत्या करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होगी कि जो नजीर बनेगी -मंत्री श्री सारंग

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

स्लॉटर हाउस में गौमांस से जुड़े मामले पर सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि गौमांस या गौकशी के मामलों में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। चाहे व्यापारी हो या अधिकारी, यदि कोई भी दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस विषय में स्पष्ट और कड़े निर्देश दिए हैं। सरकार की मंशा साफ है कि ऐसे मामलों में उदाहरण प्रस्तुत करने वाली कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह के अपराध को अंजाम देने की हिम्मत न कर सके। उन्होंने कहा कि यदि प्रकरण में गौमाता की कटाई सिद्ध होती है, तो उसे सामान्य अपराध नहीं माना जाना चाहिए, बल्कि हत्या का गंभीर अपराध मानते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी धाराओं में प्रकरण दर्ज किया जाना चाहिए। मंत्री श्री सारंग ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसे जघन्य अपराधों में शामिल लोगों को कठोरतम दंड मिलना चाहिए, जिससे समाज में स्पष्ट संदेश जाए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति और आस्था का केंद्र है तथा उसके संरक्षण के प्रति सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने प्रशासन को निर्देशित किया कि जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई न बरती जाए और दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

दादाजी धाम मंदिर में मकर संक्रांति पर पत्रकार सम्मान समारोह एवं सेवा आधारित आयोजन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

रायसेन रोड स्थित जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर, पटेल नगर, भोपाल में दिनांक 14 जनवरी 2026 (बुधवार) को मकर संक्रांति के पावन पर्व के शुभ अवसर पर धार्मिक, सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर समाचार पत्रों के सम्मानित संपादकों एवं पत्रकार बंधुओं का पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह के माध्यम से धर्म एवं समाज के प्रति निष्पक्ष, निर्भीक एवं सकारात्मक पत्रकारिता के महत्वपूर्ण योगदान हेतु दादाजी धाम मंदिर परिवार द्वारा कृतज्ञता व्यक्त की जाएगी।

दादाजी धाम मंदिर एवं श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री शिवरतन नामदेव ने बताया कि "पत्रकार समाज का दर्पण होते हैं। उनकी लेखनी जनमानस को सही दिशा देने का कार्य करती है। मकर संक्रांति जैसे पावन पर्व पर पत्रकार बंधुओं का सम्मान कर हम उनके सामाजिक योगदान के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं। साथ ही सेवा, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाना हमारा उद्देश्य है।"

कार्यक्रम के अंतर्गत—

संगीत में सुंदरकांड पाठ

निःशुल्क होम्योपैथिक एवं पैथोलॉजी चिकित्सा शिविर

श्री विष्णु सहस्त्रनाम पाठ (नार्मदीय ब्राह्मण विष्णु सहस्त्रनाम मंडल अनुभव समूह एवं श्री वी.एस. एम., भोपाल द्वारा)

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता इको-फ्रेंडली विशाल भंडारा

भंडारे की विशेषता यह रहेगी कि श्रद्धालुजन स्वयं बर्तन धोकर सेवा करेंगे, जिससे स्वच्छता, आत्मनिर्भरता एवं सेवा भाव को प्रोत्साहन मिलेगा।

कार्यक्रम समय-सारिणी—

प्रातः 11:00 बजे — संगीत में सुंदरकांड पाठ

दोपहर 1:30 बजे — पत्रकार सम्मान समारोह

दोपहर 2:00 से 5:00 बजे तक — निःशुल्क होम्योपैथिक एवं पैथोलॉजी चिकित्सा शिविर

दोपहर 3:00 बजे — श्री विष्णु सहस्त्रनाम पाठ

दोपहर 1:30 बजे से — इको-फ्रेंडली विशाल भंडारा

दादाजी धाम मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से सभी श्रद्धालुओं, गणमान्य नागरिकों एवं मीडिया प्रतिनिधियों से विनम्र निवेदन है कि वे इस पावन अवसर पर अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान कर आयोजन की शोभा बढ़ाएँ एवं पुण्य लाभ अर्जित करें।

लालू परिवार में कलह और बढ़ेगी

बिहार में लालू प्रसाद के परिवार की कलह समाप्त होने का नाम नहीं ले रही है। एक तरफ लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और परिवार के बाकी सदस्यों की कानूनी मुश्किलें बढ़ रही हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमीन के बदले नौकरी के मामले में लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के साथ साथ उनके दो बेटे और दो बेटियों पर आरोप तय करने का आदेश दे दिया है तो दूसरी ओर सिंगापुर में रहने वाली बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए तेजस्वी यादव और उनके करीबी लोगों पर हमला किया है। उधर आरोप तय करने के दिन राउज एवेन्यू कोर्ट में दोनों भाइयों तेजस्वी और तेज प्रताप यादव का आमना हुआ लेकिन दोनों में कोई सद्भाव नहीं दिखा। तेज प्रताप यादव मकर संक्रांति पर दही चिउड़ा का भोज कर रहे हैं और भाजपा व जनता दल के नेताओं से भी खूब मेल मुलाकात कर रहे हैं। ऐसा लग नहीं रहा है कि वे परिवार के साथ किसी तरह के मेल मिलाप के पक्ष में हैं। अब समस्या यह है कि रोहिणी आचार्य सोशल मीडिया पोस्ट में कह रही हैं कि उनके पिता की कथित महान विरासत को परिवार के 'नए बने अपने' नष्ट कर रहे हैं। उनका इशारा तेजस्वी के करीबी संजय यादव और अन्य लोगों पर है। लेकिन दूसरी ओर तेजस्वी यादव का कहना है कि यह लालू प्रसाद का कर्म है, जिसका नुकसान वे झेल रहे हैं। जानकार सूत्रों का कहना है कि परिवार में इस बात को लेकर कई बार झगड़ा हो चुका है। तेजस्वी यादव ने कई बार लालू प्रसाद के सामने कह दिया कि वे ऐसी बात की सजा भुगत रहे हैं, जिससे उनका कोई लेना देना नहीं है। ध्यान रहे लालू प्रसाद 20 साल पहले जब रेल मंत्री बने थे तब तेजस्वी यादव नाबालिग थे। लेकिन रेल मंत्री रहते लालू प्रसाद ने जो काम किया उसका मुकदमा तेजस्वी के ऊपर चल रहा है। तेजस्वी के करीबी यह भी कहते हैं कि लालू प्रसाद ने जो राजनीति की उससे यादव अछूत बने और आज उसी कारण तेजस्वी को इतनी समस्या हो रही है। हालांकि सच यह भी है कि तेजस्वी यादव आज जो कुछ भी हैं वह लालू प्रसाद की राजनीति के कारण ही हैं। अगर वे दो बार उप मुख्यमंत्री और तीन बार नेता विपक्ष बने हैं तो लालू प्रसाद के कारण बने हैं। सो, अगर अपने पिता के कारण फायदा उठा रहे हैं तो नुकसान भी उन्हीं की झेलना होगा।

सड़क से अदालत तक!

कोलकाता की घटना संघीय ढांचे के चरमराने का संकेत है। संबंधित पक्ष ऐसे विवादों से सड़कों पर निपटने लगें, तो उसका अर्थ है कि बात संवैधानिक व्यवस्था के दायरे में नहीं रह गई है। आखिर इस तरह की नौबत क्यों आई? कोलकाता में आई-पैक के दफ्तर पर प्रवर्तन निदेशालय के छापे का मुकाबला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सड़क पर उतर कर किया। ऐसा शायद पहली बार हुआ, जब एक केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई के बीच किसी मुख्यमंत्री ने इस तरह का दखल दिया हो। उस घटना के बाद से ममता बनर्जी और उनकी पार्टी ने इसको लेकर एक बड़ा राजनीतिक अभियान छेड़ रखा है। उधर ईडी ने सुप्रीम कोर्ट की पनाह ली है। ईडी का इल्जाम है कि आई-पैक एजेंसी से जुड़े व्यक्तियों ने हवाला के जरिए अवैध रूप से धन का लेन-देन किया है। जबकि तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि चूंकि आई-पैक को उसने अपने विधानसभा चुनाव अभियान के प्रबंधन का ठेका दिया है और इसलिए उसके पास पार्टी की रणनीति संबंधी आंकड़े हैं, तो उन्हें ही "चुराने" ईडी वहां गई थी। तृणमूल की शिकायत पर कोलकाता पुलिस ने "दस्तावेजों की चोरी" का केस दर्ज किया है। उसने उन ईडी तथा केंद्रीय शस्त्र बल के कर्मियों की पहचान शुरू कर दी है, जो आई-पैक के दफ्तर पर गए। तो इस रूप में ये मामला केंद्र और राज्य सरकारों के बीच टकराव में तब्दील हो गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि तृणमूल ने अपनी शिकायत को बयानों या कानूनी चुनौती तक सीमित नहीं रखा। उसकी नेता एवं मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष हस्तक्षेप से ईडी के छापे में रुकावट डाली। यह घटना देश के संघीय ढांचे के चरमराने का संकेत है।संबंधित पक्ष ऐसे विवादों से सड़कों पर निपटने लगें, तो उसका अर्थ है कि बात संवैधानिक व्यवस्था के दायरे में नहीं रह गई है। यह गंभीर विचार-विमर्श का विषय है कि ये नौबत क्यों आई? साफ वजह राजनीतिक वर्ग में आपसी भरोसे का टूट जाना है। विपक्षी खेमों में आम धारणा है कि केंद्रीय एजेंसियां सत्ताधारी भाजपा के सियासी मकसद को साधने का औजार बन गई हैं। इस दौर में कानूनों की व्याख्या के क्रम में न्यायपालिका ने भी राजनीतिक परिदृश्य की अनदेखी कर तकनीकी नजरिया अपना रखा है। ऐसे में तृणमूल को सड़क पर मुकाबला करना मुफीद महसूस हुआ होगा। लेकिन लोकतंत्र एवं संघीय व्यवस्था के लिए यह अच्छा संकेत नहीं है।

स्वामी विवेकानंद और युवा दिवस!

एक बड़े स्वप्नदृष्टा के रूप में विवेकानंद ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जिसमें धर्म अथवा जाति के आधार पर मनुष्य-मनुष्य में कोई भेद न रहे। उनका आत्मा और परमात्मा में अनन्य विश्वास था। उनके अनुसार भिन्न-भिन्न स्रोतों से निकलकर सभी नदियों के समुद्र में मिल जाने की भांति ही भिन्न-भिन्न रुचि के अनुसार विभिन्न टेढ़े-मेढ़े अथवा सीधे रास्ते से जाने वाले लोग अंत में आकर परमात्मा में ही मिल जाते हैं। मात्र 39 वर्ष 5 माह और 22 दिन के अपने अल्प जीवनकाल में संपूर्ण विश्व को भारत की सनातन संस्कृति, अध्यात्म और दर्शन से परिचित कराते हुए देश का सम्मान बढ़ाने वाले स्वामी विवेकानंद (12 जनवरी 1863 – 4 जुलाई 1902) न केवल एक महान संत, वेदांत के विख्यात व प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु के रूप में स्मरण, नमन और वंदन किए जाते हैं, बल्कि वे एक महान देशभक्त, वक्ता, विचारक, लेखक और मानव-प्रेमी के रूप में भी याद किए जाते हैं। अमेरिका स्थित शिकागो में आयोजित विश्व धर्म महासभा में 11 व 27 सितम्बर 1893 को भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व करते हुए उनके द्वारा दिए गए प्रसिद्ध संबोधन के बाद उन्होंने संपूर्ण विश्व में प्रसिद्धि की उस ऊँची शिखर-रेखा को छू लिया, जिसे पाना प्रायः असंभव ही माना जाता है। कलकत्ता के एक कुलीन बंगाली कायस्थ परिवार में पिता प्रसिद्ध वकील विश्वनाथ दत्त व माता धर्मपरायणी भुवनेश्वरी देवी के घर 12 जनवरी 1863 को पुत्र नरेंद्र दत्त के रूप में जन्मे और बाल्यकाल से ही अध्यात्म की ओर झुकाव रखने वाले स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण परमहंस के प्रिय व सुयोग्य शिष्य थे। वे अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस से अत्यंत प्रभावित थे। उन्होंने अपने गुरु से ही यह सीखा था कि सभी जीवों में स्वयं परमात्मा का ही अस्तित्व है। इसलिए मानव जाति का धर्म वह है, जो मनुष्य दूसरे जरूरतमंदों की मदद करता है। जब हम दूसरों की मदद करते हैं, तो हम परमात्मा की ही सेवा करते हैं। अर्थात सेवा के माध्यम से परमात्मा की भी सेवा की जा सकती है। अज्ञानी लोग जिसे मनुष्य कहते हैं, मैं उस नारायण का सेवक हूँ—अर्थात नर सेवा-नारायण सेवा का मंत्र देने वाले स्वामी विवेकानंद के द्वारा 1 मई 1897 को स्थापित रामकृष्ण मिशन अपने 130 से अधिक केंद्रों के साथ आज भी संपूर्ण विश्व में उनके विचारों को प्रसारित करते हुए सेवा का अपना कार्य कर रहा है। मात्र 25 वर्ष की आयु में भगवा वस्त्र धारण कर संन्यासत्व ग्रहण करने वाले स्वामी विवेकानंद ने अपने अल्पकालिक जीवन को मानवता के लिए नर सेवा-नारायण सेवा के पालक रूप में प्रत्यक्षतः जिया। यही कारण है कि उनके संसार से जाने के लगभग 124 वर्ष बाद भी न सिर्फ भारत बल्कि संपूर्ण विश्व उन्हें एक प्रेरणा के रूप में याद कर रहा है। उनके शिष्यों व अनुयायियों के अनुसार स्वामी विवेकानंद वह विश्वव्यापी विचार हैं, जिसे न सिर्फ भारत के युवाओं ने बल्कि विश्व के युवाओं ने भी स्वीकार किया है, और उनके विचारों को सनातन रूप में आत्मसात किया है। युवाओं को विचारोत्तेजक बनाने, उत्प्रेरित करने वाले ऐसे विचारों के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के निर्णयानुसार सन 1984 ईस्वी को अंतर्राष्ट्रीय युवा वर्ष घोषित किया गया था। भारतीय आत्मा को अक्षुण्ण रखते हुए सार्वभौमिक विमर्शों से संवाद प्रस्थापना की प्रमुख विशेषता रखने वाले सनातनीय विचारों के कारण स्वामी विवेकानंद को विश्व के द्वारा मान्यता प्राप्त होते देख भारत सरकार को भी इसके महत्व का ध्यान रखते हुए सन 1984 से 12 जनवरी अर्थात स्वामी विवेकानंद जयंती का दिन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में देश भर में मनाए जाने की घोषणा करनी पड़ी। तब से स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस पर प्रतिवर्ष 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है और इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन किया जाता है। यह उत्सव भारत की युवा ऊर्जा, रचनात्मकता और राष्ट्र निर्माण की भावना का सशक्त प्रतीक है। 12 जनवरी 2026 को स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती है। भारत की युवा शक्ति के लिए रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और विकसित भारत के संकल्प में सहभागी बनने का यह सुनहरा अवसर है। युवा शक्ति राष्ट्र की पहचान है और युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। इसलिए युवाओं को स्वामी विवेकानंद के प्रसिद्ध संदेश—उठो, जागो और तब तक नहीं रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए—से प्रेरणा लेने के लिए आह्वान करने का अवसर है। इससे ही स्वामी विवेकानंद के द्वारा किए गए उस महाभविष्यवाणी के सत्य सिद्ध होने की उम्मीद जग सकेगी, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत एक बार फिर समृद्धि तथा शक्ति की महान ऊँचाइयों पर उठेगा और अपने समस्त प्राचीन गौरव को पीछे छोड़ जाएगा, भारत पुनः विश्व गुरु बनेगा, जो पूरे संसार का पथप्रदर्शन करने में समर्थ होगा। उन्होंने घोषणा की थी कि भारत का विश्व गुरु बनना केवल भारत ही नहीं, अपितु विश्व के हित में होगा। अपनी आध्यात्मिक शक्ति, गौरवपूर्ण संस्कृति, संस्कारों से ओतप्रोत अद्भुत सामर्थ्य, वैश्विक शांति और सौहार्द के लिए वसुधैव कुटुम्बकम के भारतीय दर्शन और मानव कल्याण की प्रेरणा देने वाले सनातन धर्म के कारण ही भारत विश्वगुरु की प्रतिष्ठा को प्राप्त करेगा। इसलिए इस अवसर पर चहुँओर इस बात की गूंज सुनाई देनी चाहिए कि सनातन मार्ग पर चलने में ही संपूर्ण विश्व का कल्याण निहित है। उल्लेखनीय है कि विद्यालयीन शिक्षा के रूप में सन 1871 में आठ वर्ष की उम्र में नरेंद्रदत्त नाम से कलकत्ता के ईश्वरचंद्र विद्यासागर के मेट्रोपोलिटन संस्थान में शिक्षारंभ, 1879 में प्रेसीडेंसी कॉलेज में नामांकन, तत्पश्चात 1880 में जनरल असेम्बली इंस्टिट्यूशन (वर्तमान के स्कॉटिश चर्च कॉलेज) से 1881 में ललित कला की परीक्षा उत्तीर्ण और 1884 में कला स्नातक की डिग्री पूरी करने वाले विवेकानंद आरंभ से ही दर्शन, धर्म, इतिहास, सामाजिक विज्ञान, कला और साहित्य सहित अन्य विषयों के प्रति अत्यंत उत्साहित रहते, रुचि रखते व उत्कंठा प्रदर्शित करते हुए विद्यार्थी थे। विवेकानंद में गहरी धार्मिक भावना और सत्य जानने के लिए अध्ययन की उत्कट इच्छा बाल्यकाल से ही देखने को मिलती थी। इनकी वेद, उपनिषद, श्रीमद्भगवद्गीता, रामायण, महाभारत और पुराणों के अतिरिक्त अन्यान्य प्राचीन भारतीय शास्त्रों में भी गहन रुचि थी। भारतीय शास्त्रीय संगीत में प्रवीणता प्राप्त, नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम व खेलों में भाग लेने वाले नरेंद्र ने पश्चिमी तर्क, पश्चिमी दर्शन और यूरोपीय इतिहास का अध्ययन जनरल असेम्बली इंस्टिट्यूशन (वर्तमान के स्कॉटिश चर्च कॉलेज) में गहनता से किया था। स्कॉटिश चर्च कॉलेज से 1884 में कला स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद उन्होंने संस्कृत ग्रंथों और बांगला भाषा में सृजित साहित्य के साथ ही डेविड ह्यूम, इमैनुएल कांट, जोहान गोटलिब फिच, बारूक स्पिनोज़ा, जॉर्ज डब्लू एच हेजेल, आर्थर शोपेनहावर, ऑगस्ट कॉम्टे, जॉन स्टुअर्ट मिल, चार्ल्स डार्विन आदि पश्चिमी विद्वानों के कार्यों का तुलनात्मक अध्ययन किया। हर्बर्ट स्पेंसर के विकासवाद से अत्यंत प्रभावित विवेकानंद ने 1860 में स्पेंसर की किताब एजुकेशन का बांगला में अनुवाद किया। उन्होंने हिन्दी में संगीत कल्पतरु, कर्म योग, राज योग, ज्ञान योग, भक्ति योग सहित अंग्रेजी भाषा में कई पुस्तकों की रचना की। उनके भाषण वाक्पटुता और सनातन सत्य-विचारों से युक्त शाश्वत प्रतिभा से प्रभावित होकर लोग इन्हें श्रुतिधर अर्थात विलक्षण स्मृति वाला व्यक्ति कहा करते थे। ऐसे विलक्षण प्रतिभावान नरेंद्र सार्वजनिक कार्य हेतु 1880 में केशवचंद्र सेन और देवेंद्रनाथ टैगोर के नेतृत्व वाली ब्रह्मसमाज की नवविधान में शामिल हुए। 1881-1884 के दौरान धूम्रपान और शराब पीने से युवाओं को हतोत्साहित करने वाली संस्था सेन्स बैंड ऑफ़ होप के सक्रिय सदस्य भी रहे। भारतीय व पश्चिमी आध्यात्मिकता के साथ समन्वित उनके प्रारंभिक विश्वासों को एक निराकार ईश्वर में विश्वास रखने और मूर्ति-पूजा का प्रतिवाद करने वाली संस्था ब्रह्मसमाज ने प्रभावित किया और सुव्यवस्थित, युक्तिसंगत, अद्वैतवादी अवधारणाओं, धर्मशास्त्र, वेदांत और उपनिषदों के एक चयनात्मक और आधुनिक ढंग से अध्ययन पर प्रोत्साहित किया। उनके अनुसार जाति के आधार पर मनुष्य-मनुष्य में कोई भेद न रहे। वेदांत के सिद्धांतों को भी उन्होंने इसी रूप में रखा। पुरोहितवाद, धार्मिक आडम्बरों, कठमुल्लापन और रूढ़ियों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाने वाले विवेकानंद ने धर्म को मनुष्य की सेवा के केंद्र में रखकर ही आध्यात्मिक चिंतन किया था। यही कारण है कि अपने जीवनकाल में सर्वत्र वे धर्म को रूढ़ियों से मुक्त कर समाज सेवा से जोड़ने की वकालत करते दिखाई देते हैं। बाल्यावस्था और युवावस्था में ही उनके मन में भारतीय संस्कृति और समाज की बेहतरी के लिए एक जुनून और प्रतिबद्धता पैदा हो गई थी। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन के शुरुआती दिनों में ही समाज में व्याप्त अंधविश्वास, भेदभाव और सामाजिक असमानता के खिलाफ आवाज उठाना शुरू कर दिया था। उनका यह मानना था कि भारतीय समाज को पुनः जागृत करने और उसे अपनी प्राचीन महानता की ओर वापस लौटने की जरूरत थी। 16 अगस्त 1886 को गुरु रामकृष्ण परमहंस के निधन के बाद विवेकानंद ने ब्रिटिश भारत में तत्कालीन स्थितियों का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करने के लिए बड़े पैमाने पर भारतीय उपमहाद्वीप की यात्रा की। तत्पश्चात विश्व धर्म संसद 1893 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए प्रस्थान किया। विवेकानंद ने संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड और यूरोप में भारतीय सनातन दर्शन के सिद्धांतों का प्रसार किया और कई सार्वजनिक और निजी व्याख्यानों का आयोजन किया। ऐसे विलक्षण प्रतिभा के धनी, ओजस्वी और सारगर्भित व्याख्यानों के लिए संपूर्ण विश्व में प्रसिद्ध विवेकानंद ने जीवन के अंतिम दिन 4 जुलाई 1902 को भी अपनी ध्यान करने की दिनचर्या को नहीं बदला और प्रातः दो-तीन घंटे ध्यान में व्यतीत करने के बाद ध्यानावस्था में ही अपने ब्रह्मरंध्र को भेदकर महासमाधि ले ली। बेलूर में गंगा तट पर चंदन लकड़ी की चिता पर उनकी अंत्येष्टि की गई। इसी गंगा तट के दूसरी ओर उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस का सोलह वर्ष पूर्व अंतिम संस्कार हुआ था। एक बड़े स्वप्नदृष्टा के रूप में विवेकानंद ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जिसमें धर्म अथवा जाति के आधार पर मनुष्य-मनुष्य में कोई भेद न रहे। उनका आत्मा और परमात्मा में अनन्य विश्वास था। उनके अनुसार भिन्न-भिन्न स्रोतों से निकलकर सभी नदियों के समुद्र में मिल जाने की भांति ही भिन्न-भिन्न रुचि के अनुसार विभिन्न टेढ़े-मेढ़े अथवा सीधे रास्ते से जाने वाले लोग अंत में आकर परमात्मा में ही मिल जाते हैं। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि अपने जीवन के मात्र उनतालीस वर्ष के संक्षिप्त जीवनकाल में स्वामी विवेकानंद के द्वारा किए गए कार्य आने वाली अनेक शताब्दियों तक पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। यही कारण है कि भारत में स्वामी विवेकानंद को एक देशभक्त युवा संन्यासी के रूप में माना, जाना और पूजा जाता है तथा उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाकर उत्साहित, ऊर्जस्वित और गौरवान्वित महसूस किया जाता है।

-अशोक 'प्रवृद्ध'

ट्रंप की विश्व दृष्टि!

जब पूछा गया कि क्या उनकी वैश्विक शक्ति की कोई सीमा है, तो डॉनल्ड ट्रंप ने कहा- 'हां, एक चीज है- मेरी अपनी नैतिकता। मेरा अपना दिमाग। यही एक चीज है, जो मुझे रोक सकता है।' जो बातें डॉनल्ड ट्रंप पर बतौर इल्जाम कही जाती थीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब खुद उसकी पुष्टि कर दी है। दो-टूक कहा है कि वे किसी अंतरराष्ट्रीय कानून से बंधे हुए नहीं हैं। बीते सप्ताहांत अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने सैनिक, आर्थिक या राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल करने के मामलों में अपनी पूरी 'स्वतंत्रता' का एलान किया। कहा कि अपने मकसद को हासिल करने की राह में आने वाली किसी अंतरराष्ट्रीय संधि, कानून, समझौते आदि वे नहीं मानते। जब पूछा गया कि क्या उनकी वैश्विक शक्ति की कोई सीमा है, तो उन्होंने कहा- 'हां, एक चीज है- मेरी अपनी नैतिकता। मेरा अपना दिमाग। यही एक चीज है, जो मुझे रोक सकता है।' राजतंत्र के दौर में समझा जाता था कि राजा की सोच या वह जो कहता है, वही कानून है। ताजा टिप्पणियों से ट्रंप ने उस दौर की मान्यता के अनुरूप खुद को विश्व सम्राट के रूप में पेश किया है। इन बातों की रोशनी में वेनेजुएला में उनके प्रशासन ने क्या किया या ग्रीनलैंड में क्या करने का इरादा रखता है, उसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद स्थापित हुई नियम आधारित एवं उदार विश्व व्यवस्था के तर्कों से समझने की कोशिश व्यर्थ हो जाती है। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि उस समझ के आधार पर होने वाली आलोचनाओं का उनकी निगाह में कोई महत्त्व नहीं है। वे दुनिया को नए युग में ले गए हैं, जो शक्ति के सिद्धांत के प्रेरित है। ट्रंप के आचरण में यह बात पहले से ही साफ नजर आती रही है, मगर अब उन्होंने इनको सैद्धांतिक जामा भी पहना दिया है। संदेश यह है कि ट्रंप सिर्फ ताकत का सम्मान करना जानते हैं। संभवतः इसीलिए शी जिनपिंग या व्लादीमीर पुतिन का उल्लेख करते हुए वे उतना अपमानजनक लहजा नजरिया नहीं दिखाते, जैसा इजहार दूसरे नेताओं- जिनमें यूरोपीय नेता भी शामिल हैं- के प्रति करते हैं। भारत जैसे देशों को इसका अर्थ समझना चाहिए। उन्हें ट्रंप से किसी रहम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ट्रंप के दौर में अपने हित की रक्षा कैसे की जाए, यह यक्ष प्रश्न उनके सामने खड़ा है।

दूषित जल की समस्या का समाधान क्या!

दूषित जल की समस्या का समाधान संभव है, यदि बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया जाए। सबसे पहले, स्रोत पर प्रदूषण को रोकना जरूरी है। उद्योगों को अपशिष्ट उपचार संयंत्र स्थापित करने के लिए बाध्य किया जाए। कृषि में जैविक खेती को प्रोत्साहित करें ताकि रसायनों का अपवाह कम हो। सीवेज उपचार को 100% बनाना चाहिए, जो वर्तमान में अपर्याप्त है। आंकड़े बताते है कि पश्चिमी देशों के अनुभव काफ़ी उपयोगी साबित हुए हैं। भारत, जो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, आज दूषित जल के एक गंभीर संकट से जूझ रहा है। हाल के वर्षों में, विशेष रूप से 2025-2026 में, दूषित नल के पानी से 5,500 से अधिक लोग बीमार हुए और 34 मौतें राष्ट्रीय समस्या की वास्तविकता का संकेत हैं। भारत की प्रमुख नदियां, जैसे गंगा और यमुना, औद्योगिक अपशिष्ट, अनुपचारित सीवेज और कृषि कचरे से बुरी तरह प्रदूषित हैं। विश्व जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में से 120वें स्थान पर है और लगभग 70% भूजल स्रोत दूषित हैं। दूषित जल की समस्या भारत में बहुआयामी है। मुख्य कारणों में अनुपचारित सीवेज सबसे बड़ा है, जो नदियों और भूजल को प्रदूषित करता है। इसके अलावा, कृषि से निकलने वाले कीटनाशक और उर्वरक, तथा उद्योगों से निकलने वाले रसायन जैसे भारी धातु और विषाक्त पदार्थ जल स्रोतों को नष्ट कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, कपड़ा और चमड़ा उद्योगों से निकलने वाला अपशिष्ट कई नदियों को प्रभावित कर रहा है। 163 मिलियन भारतीयों के पास सुरक्षित पेयजल की पहुंच नहीं है और 21% संक्रामक रोग जल से संबंधित हैं। हाल ही में इंदौर और अन्य शहरों के घटनाक्रमों ने इस समस्या को और उजागर किया है। इंदौर में दूषित पानी से कम से कम 8 मौतें हुईं, लेकिन रिकॉर्ड दिखाते हैं कि 18 परिवारों को मुआवजा दिया गया। यह असंगति सरकार की पारदर्शिता पर सवाल उठाती है। पूरे देश में टाइफाइड जैसे रोग फैल रहे हैं, जो दूषित पानी से जुड़े हैं। आर्थिक रूप से, यह संकट उत्पादकता को प्रभावित करता है, क्योंकि बीमारियां कार्यबल को कमजोर करती हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से, यह जैव विविधता को भी नुकसान पहुंचाता है और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बढ़ाता है। 2025-2027 में जल की कमी भारत के लिए सबसे बड़ा पर्यावरणीय जोखिम साबित हो सकती है। यदि इसे नजरअंदाज किया गया, तो 'डे जीरो' की स्थिति कई राज्यों में आ सकती है। सरकार की उदासीनता इस समस्या का एक प्रमुख कारण है। केंद्र सरकार पर आरोप है कि वह स्वच्छ जल और स्वच्छ हवा प्रदान करने में विफल रही है। विपक्षी नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधान मंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। विपक्ष के अनुसार मुख्य कारणों में कमी नियमों की है, अत्यधिक निजीकरण, सरकारी भ्रष्टाचार और सामान्य उपेक्षा शामिल हैं। मध्य प्रदेश में इंदौर घटना के बाद नगर आयुक्त को हटाया गया और दो अधिकारियों को निलंबित किया गया, लेकिन विपक्ष इसे केवल प्रतिक्रियात्मक कदम मानता है। राजनैतिक विश्लेषकों के अनुसार चुनावी वादे जैसे 'हर घर जल' योजना लागू तो हुई, लेकिन गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया। दिल्ली जल बोर्ड को सख्त जांच के निर्देश दिए गए, लेकिन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की कमी पाई गई है। भ्रष्टाचार के कारण फंड का दुरुपयोग होता है और स्थानीय स्तर पर बुनियादी ढांचा अभी भी राष्ट्रीय स्तर पर, जल गुणवत्ता 2025-26 में एक प्रमुख चुनौती है, लेकिन इस गंभीर चुनौती को कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) को स्थानांतरित करने के बजाय सरकार को अधिक सक्रिय होना चाहिए। यह उदासीनता न केवल स्वास्थ्य संकट पैदा करती है, बल्कि सामाजिक असमानता को भी बढ़ाती है, क्योंकि इससे गरीब तबके के लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। दूषित जल की समस्या का समाधान संभव है, यदि बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया जाए। सबसे पहले, स्रोत पर प्रदूषण को रोकना जरूरी है। उद्योगों को अपशिष्ट उपचार संयंत्र स्थापित करने के लिए बाध्य किया जाए। कृषि में जैविक खेती को प्रोत्साहित करें ताकि रसायनों का अपवाह कम हो। सीवेज उपचार को 100% बनाना चाहिए, जो वर्तमान में अपर्याप्त है। आंकड़े बताते है कि पश्चिमी देशों के अनुभव काफ़ी उपयोगी साबित हुए हैं। स्विट्जरलैंड में शहरी जल उपचार की गुणवत्ता सर्वोच्च है और विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वहां का नल का पानी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। वे ब्लू रिवोल्यूशन' रणनीति कुशल उपयोग, अपशिष्ट कमी और पारिस्थितिक संतुलन पर जोर देती है। प्रबंधित एक्विफर रिचार्ज (एमएआर) जैसी विधियां अपनाई जाती हैं, जिसमें नदी तलों को समायोजित करना, बैंक फिल्ट्रेशन, सतही पानी का वितरण और रिचार्ज कुओं का उपयोग शामिल है। वहीं अमेरिका और यूरोप में मेम्ब्रेन सेपरेशन टेक्नोलॉजी, सोलर वाटर डिसइंफेक्शन (एसओडीआईएस) और सिरेमिक फिल्ट्रेशन जैसी तकनीकें आम हैं। यूरोपीय संघ में जल बचत पर जोर है, विभिन्न क्षेत्रों में दक्षता बढ़ाने के लिए। काउंसिल ऑफ यूरोपियन बैंक ने 16 देशों में जल और स्वच्छता परियोजनाओं में 1.8 बिलियन यूरो का निवेश किया है। प्रकृति-आधारित समाधान (एनबीएस) यूरोप में जल प्रबंधन में उपयोगी हैं, जैसे वेटलैंड्स और वन क्षेत्रों का उपयोग फिल्टर के रूप में किया जाना। भारत को पश्चिमी अनुभवों से सीखते हुए उनके सफल उपाय को अपनाना चाहिए। अमेरिका की तरह, पर्यावरण संरक्षण एजेंसी जैसी स्वतंत्र संस्था बनाएं जो प्रदूषण पर नजर रखे। जुर्माने और जेल की सजा लागू करें। यूरोप लांट्स लगाएं, हालांकि उनके नुकसानों को ध्यान में रखें। हर घर में फिल्टर सिस्टम अनिवार्य करें। स्विट्जरलैंड मॉडल अपनाएं, अपशिष्ट जल को पुनः उपयोग योग्य बनाएं। एमएआर तकनीक से भूजल रिचार्ज करें। स्थानीय समुदायों को शामिल करने पर भी ज़ोर दिया जाए, जैसे यूरोप में एनबीएस परियोजनाओं के तहत शिक्षा अभियान चलाए जाते हैं जिससे कि लोग जल संरक्षण करते हैं। नवीनतम तकनीकी का नवाचार करने पर भी ज़ोर देने की आवश्यकता है। इसके साथ ही सरकारी तंत्र के पारदर्शिता को बढ़ाए जाने की भी ज़रूरत है। इंदौर के उदाहरण को देखते हुए राष्ट्रीय जल नीति को मजबूत करें, जिसमें जलवायु परिवर्तन को भी शामिल किया जाए। ऐसा कहना ग़लत नहीं होगा कि दूषित जल भारत की प्रगति में बाधा है, लेकिन पश्चिमी देशों के सफल मॉडल से प्रेरणा लेकर हम इसे हल कर सकते हैं। सरकार को उदासीनता छोड़कर सक्रिय होना चाहिए, अन्यथा यह संकट और गहराएगा। स्वच्छ जल राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए।

-विनीत नारायण

आर्कटिक के `पनामा नहर' पर कब्जे के लिए महाशक्तियों में जंग, ट्रंप के ग्रीनलैंड प्लान से क्यों डरे चीन और रूस

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड के पीछे हाथ धोकर पड़े हुए हैं। उनका वश चले तो वो आज और इसी वक्त ग्रीनलैंड पर कब्जा करने अमेरिकी सैनिकों को रवाना कर दें। लेकिन ये इतना आसान नहीं है। यूरोप भी ग्रीनलैंड को बचाने हाथ पैर मार रहा है। लेकिन सवाल ये है कि आखिर डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर इतनी बेताबी क्यों है? ट्रंप के ग्रीनलैंड और आर्कटिक प्लान से आखिर चीन और रूस क्यों डरे हुए हैं? ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका की इतनी दिलचस्पी चीन और रूस जैसी महाशक्तियों को क्यों परेशान कर रही हैं, इससे जानना और समझना जरूरी हो जाता है। दरअसल, आर्कटिक क्षेत्र में सदियों से जमी बर्फ अब तेजी से पिघल रही है और पिघलती बर्फ ने नये समुद्री रास्तों को खोलना शुरू कर दिया है। इससे ना सिर्फ समुद्री व्यापार, बल्कि नये सिरे से सैन्य संतुलन बनाने की भी जरूरत होने लगी है। इन्हीं में से एक अहम समुद्री रास्ता है नॉर्थवेस्ट पैसेज। ये एक ऐसा समुद्री मार्ग है, जो कनाडा के उत्तरी तटों से होते हुए यूरोप को एशिया से जोड़ता है। जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट इसे 'भविष्य का पनामा नहर नॉर्थ' कह रहे हैं। अमेरिका, सालों से चीन के पनामा नहर के दोनों सिरों पर लगातार बढ़ते प्रभाव को लेकर सतर्क रहा है और डोनाल्ड ट्रंप तो सार्वजनिक तौर पर इस बात को लेकर भी लड़ चुके हैं, ऐसे में उनकी नई रणनीति, आर्कटिक में भी किसी प्रतिद्वंद्वी ताकत को निर्णायक बढ़त लेने से रोकने की है। जाहिर तौर पर इसका सीधा असर चीन और रूस पर होगा। ग्रीनलैंड को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की जिद बचकाना लगे, लेकिन ये एक जियो-पॉलिटिकल जंग है। इस पूरी भूमिका में दरअसल ग्रीनलैंड की भूमिका काफी अहम हो जाती है। नॉर्थवेस्ट पैसेज के पश्चिमी छोर पर अमेरिका का अलास्का पहले से मौजूद है, जबकि पूर्वी प्रवेश द्वार पर ग्रीनलैंड स्थित है। जियो पॉलिटिकल एक्सपर्ट जेफ महोन के

मुताबिक, ग्रीनलैंड इस समुद्री मार्ग का "ईस्टर्न फ्लैंक" है। यूरोप से एशिया की तरफ जाने वाले जहाजों को नॉर्थवेस्ट पैसेज में दाखिल होने से पहले ग्रीनलैंड के आसपास के समुद्री क्षेत्र से गुजरना ही होगा। भारत-न्यूजीलैंड मैच में थे बांग्लादेशी अंपायर, खुल गई बांग्लादेश के 'असुरक्षा' वाले दावे की पोल, अब दे रहा सफाईबस 6.50 करोड़ और चाहिए, Dhurandhar बना लेगी वो महारिकॉर्ड, जिसके आगे साउथ वाले भी होंगे नतमस्तक ऐसे में अगर, अमेरिका ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य, राजनीतिक या रणनीतिक मौजूदगी मजबूत करता है, तो वह इस पूरे रास्ते के दोनों सिरों को मजबूती से कंट्रोल कर सकता है। ठीक उसी तरह, जैसे अमेरिका ने दशकों से पनामा नहर वैश्विक व्यापार को अपने कंट्रोल में रखा है। चीन, अमेरिका के इस इरादे को बहुत पहले से जान रहा है इसलिए वो दुनियाभर में अपने रणनीतिक ठिकानों की तलाश कर रहा है। चीन पहले ही खुद को 'आर्कटिक क्षेत्र का नजदीकी' देश घोषित कर चुका है और वो रूस के साथ मिलकर नॉर्थईस्ट पैसेज, जो रूस के उत्तरी तट के साथ-साथ मिलता है, उसमें अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। एक्सपर्ट्स का मानना है, कि चीन भविष्य में कनाडा से गुजरने वाले नॉर्थवेस्ट पैसेज में भी समानांतर विकल्प तैयार करना चाहता है। अटलांटिक काउंसिल की सीनियर फेलो जस्टिना बुडगिनाइट-फ्रोएहली ने निक्केई एशिया में लिखा है कि जैसे-जैसे आर्कटिक शिपिंग के लिए अधिक सुलभ होता जाएगा, चीन वहां मौजूद रहकर नियमों, ढांचे और शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश करेगा। आर्कटिक आज भी एक ऐसा क्षेत्र है, जहां बहुत कुछ अभी तय होना बाकी है और यही अनिश्चितता बड़ी शक्तियों को वहां खींच रही है। ट्रंप के ग्रीनलैंड प्लान के पीछे भी यही रणनीति है।

शक्सगाम घाटी चीन का हिस्साबीजिंग ने भारत की आपत्तियों को किया खारिज

एजेंसी बीजिंग

चीन ने भारत की आपत्तियों के बीच सोमवार को शक्सगाम घाटी पर अपने क्षेत्रीय दावों को दोहराया और कहा कि इस इलाके में उसकी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बिल्कुल उचित हैं। भारत ने पिछले शुक्रवार को शक्सगाम घाटी में चीन की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आलोचना करते हुए कहा था कि यह भारतीय क्षेत्र है और उसके पास अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का अधिकार है। पाकिस्तान ने 1963 में अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र में से शक्सगाम घाटी के 5,180 वर्ग किलोमीटर हिस्से को चीन को सौंप दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, "शक्सगाम घाटी भारतीय क्षेत्र है। हमने 1963 में किए गए तथाकथित चीन-पाकिस्तान 'सीमा समझौते' को कभी मान्यता नहीं दी है। हम लगातार कहते आए हैं कि यह समझौता अवैध और अमान्य है।" उन्होंने कहा, "हम तथाकथित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को भी मान्यता नहीं देते, क्योंकि यह भारतीय क्षेत्र से होकर गुजरता है जिसपर पाकिस्तान का अवैध और जबरन कब्जा है।" जायसवाल की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, "सबसे पहले तो जिस क्षेत्र का आप उल्लेख कर रहे हैं, वह चीन का हिस्सा है।" उन्होंने कहा, "अपने ही क्षेत्र में चीन की बुनियादी ढांचा गतिविधियां बिल्कुल उचित हैं।" माओ ने कहा कि चीन और पाकिस्तान ने 1960 के दशक में सीमा समझौता किया था और दोनों देशों के बीच सीमा तय की गई थी। उन्होंने कहा कि यह संप्रभु देशों के रूप में चीन और पाकिस्तान का अधिकार है। भारत की CPEC की आलोचना पर भी दिया जवाब सीपीईसी को लेकर भारत की ओर से आलोचना किए जाने पर माओ ने बीजिंग के पुराने रुख को दोहराते हुए कहा कि यह एक आर्थिक पहल है, जिसका उद्देश्य स्थानीय आर्थिक व सामाजिक विकास करना और लोगों की जीवन में सुधार लाना है। उन्होंने कहा, "इस तरह के समझौते और सीपीईसी से कश्मीर मुद्दे पर चीन के रुख पर कोई असर नहीं पड़ेगा और इस मामले में चीन का रुख अपरिवर्तित है।" कश्मीर मुद्दे पर चीन का आधिकारिक रुख यह है कि "जम्मू-कश्मीर विवाद लंबे समय से चला आ रहा है और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर, सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार उचित व शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए।" चीन इस रुख को दोहराता रहा है। शक्सगाम घाटी में चीन की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से जुड़े एक सवाल के जवाब में जायसवाल ने कहा, "जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा हैं। यह बात पाकिस्तानी और चीनी अधिकारियों को कई बार स्पष्ट रूप से बताई जा चुकी है।"

असीम मुनीर की बादशाहत को पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख कर रहे चैलेंज ? एक के बाद एक कर रहे विदेश दौरा

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान का सैन्य नेतृत्व पिछले एक साल से कुछ ज्यादा ही ग्लोबलाइज हो रहा है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दो बार मुलाकात की। अब पाकिस्तान के वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू पूरी दुनिया के वायुसेना प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकातें कर रहे हैं। इसे पाकिस्तान की सैन्य कूटनीति का असामान्य दौर बताया जा रहा है। पाकिस्तानी सेना और वायुसेना ऐसे समय में हाथ पैर चला रही है, जब उनका खुद का देश घरेलू उठापठक और आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि वरिष्ठ अधिकारियों के ये विदेशी दौरे दिखाते हैं कि पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व ने सुरक्षा, आर्थिक और भू-राजनीतिक मुद्दों पर बाहरी साझेदारों के साथ सीधे जुड़ने की कोशिश कैसे की। इसमें अमेरिका से लेकर चीन और सऊदी अरब-लीबिया से लेकर पूर्वी यूरोप के देश शामिल हैं। इन मुलाकातों के दौरान पाकिस्तान ने अलग-अलग देशों के साथ ट्रेनिंग इंटरऑपरेबिलिटी, रक्षा व्यापार और क्षेत्रीय स्थिति पर बातचीत की। ऐसे में जानें कि पाकिस्तान वायु सेना एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने किन-किन देशों का दौरा किया। 1 जुलाई 2025 को एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू अमेरिका पहुंचे थे। यह पिछले एक दशक में किसी पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख का पहला अमेरिका दौरा भी था। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी वायुसेना सचिव (अंतरराष्ट्रीय मामले) केली एल सेबोल्ट और अमेरिकी वायु सेना प्रमुख जनरल डेविड डब्ल्यू एल्विन से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने विदेश विभाग और कैपिटल हिल के अधिकारियों सहित वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठकें भी की।

चीन एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू 8 अप्रैल 2025 को चीन पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून, PLA वायु सेना कमांडर जनरल चांग डिंगकिउ और मेजर जनरल काओ शियाओजियान सहित अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की। बैठकें रणनीतिक सैन्य सहयोग को मजबूत करने और प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास और रणनीतिक संचार में व्यावहारिक सहयोग का विस्तार करने पर केंद्रित थीं। बातचीत में क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर भी चर्चा हुई।
रोमानिया एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने 22-23 अक्टूबर 2025 को रोमानिया का दौरा किया था। उन्होंने रोमानियाई वायु सेना मुख्यालय में रोमानियाई वायु सेना के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल लियोनार्ड-गेब्रियल बारबोई और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान द्विपक्षीय रक्षा संबंध, ऑपरेशनल सहयोग, संयुक्त हवाई अभ्यास, एक्सचेंज कार्यक्रम और एयर और ग्राउंड क्रू की ट्रेनिंग पर बात हुई।
संयुक्त अरब अमीरात पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू 20 नवंबर 2025 को यूएई भी पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने दुबई एयरशो में हिस्सा लिया था। उन्होंने यूएई के कई अधिकारियों से मुलाकात की थी, जिसमें लेफ्टिनेंट जनरल पायलट इब्राहिम नासिर अल-अलावी और मेजर जनरल राशिद मोहम्मद अल-शम्सी शामिल थे। इस दौरान दोनों देशों के बीच सैन्य-से-सैन्य सहयोग, संयुक्त अभ्यास, पेशेवर आदान-प्रदान, वायु शक्ति विकास और एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी पर बात हुई थी।
सऊदी अरब एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू 8 जनवरी 2026 को सऊदी अरब के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने रॉयल सऊदी वायु सेना के कमांडर HRH लेफ्टिनेंट जनरल तुर्की बिन बंदर बिन अब्दुलअज़ीज़ और जनरल फैयाद बिन हमीद अल-रोवैली, चीफ ऑफ जनरल स्टाफ से मुलाकात की। इस बातचीत के दौरान रक्षा सहयोग, संयुक्त प्रशिक्षण, ऑपरेशनल सहयोग, इंटरऑपरेबिलिटी और क्षेत्रीय सुरक्षा पर सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई थी।
इराक पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख ने 10 जनवरी को इराक का दौरा किया था। इस दौरान एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने इराकी वायु सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मोहनद गालिब मोहम्मद राडी अल-असादी से मुलाकात की। दोनों अधिकारियों के बीच सैन्य सहयोग और संयुक्त प्रशिक्षण पर चर्चा भी हुई।

भारत से युद्ध नहीं जीत सकता पाकिस्तान, बनाया परमाणु बम, नवाज शरीफ के करीबी का कबूलनामा

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के करीबी नजम सेठी, जिन्हें पाकिस्तान की सेना का पालतू भी कहा जाता है, उन्होंने पहली बार बहुत बड़ा सच कबूला है। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान जो बातें कही हैं, उसने पाकिस्तानी सेना के तमाम प्रोपेगेंडा को तहस-नहस कर दिया है। नजम सेठी ने एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि "पाकिस्तान, भारत से पारंपरिक लड़ाई में कभी नहीं जीत सकता है।" इसके अलावा उन्होंने ये भी कहा है कि 'डोनाल्ड ट्रंप हमेशा की तरह एक बार फिर से इस्तेमाल करने के बाद पाकिस्तान को फेंक देंगे।' नजम सेठी ने कहा कि 'हमने भारत के साथ अभी तक पहले परमाणु बम का इस्तेमाल नहीं करने का समझौता साइन नहीं किया हुआ है। जबकि दुनिया ने आपस में ये समझौता कर रखा है और हमने भारत के साथ ऐसा इसलिए नहीं किया है, क्योंकि हम भारत से जंग जीत ही नहीं सकते हैं।' नजम सेठी ने आगे कहा कि "पाकिस्तान कहता है कि हम ऐसा समझौता साइन नहीं कर सकते हैं। क्योंकि अगर हमारे पर कोई अटैक होता है, जिसे हम झेल नहीं सकते, तो फिर हमारे पास परमाणु हथियार के इस्तेमाल का अधिकार सुरक्षित रहता है। ये हमारे लिए अस्तित्व बचाने की समस्या बन जाती है। हमें किसी और से डर नहीं है, हमें सिर्फ भारत से डर लगता है।" इसके अलावा इसी कार्यक्रम में बोलते हुए नजम सेठी ने कहा कि "पाकिस्तान पर हमेशा से प्रेशर बनाया जाता रहा है। और पाकिस्तान पर हमेशा से प्रेशर आता रहा है। इस्लामिक देश इजरायल के खिलाफ पाकिस्तान को परमाणु बम की वजह से पैसे देते हैं और ये इल्जाम पहले भी पाकिस्तान पर लगते रहे हैं। लेकिन मुझे डर है कि डोनाल्ड ट्रंप एक बार से इस्तेमाल करने के बाद पाकिस्तान को फेंक देंगे।" आपको बता दें कि पाकिस्तान बार बार दावे कर रहा है कि कई इस्लामिक देशों के साथ वो सैन्य गठबंधन बनाने पर काम कर रहा है। वहीं, सऊदी अरब ने पिछले साल सितंबर में पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया था, जिसमें एक देश पर हमला, दूसरे देश पर भी हमला माना जाएगा। इससे अलावा तुर्की और अजरबैजान भी पाकिस्तान के साथ रक्षा समझौते कर चुके हैं। वहीं, भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रूकवाने के डोनाल्ड ट्रंप के दावे पर बोलते हुए नजम सेठी ने कहा कि पाकिस्तान मानता है कि डोनाल्ड ट्रंप भारत को नहीं रोक पाएंगे। नजम सेठी ने डोनाल्ड ट्रंप को पूरी तरह से फेल करार दिया है, जबकि यही पाकिस्तानी पिछले 8-9 महीनों से लगातार डोनाल्ड ट्रंप की आरती उतार रहे थे। नजम सेठी ने कहा कि "डोनाल्ड ट्रंप बिल्कुल नाकाम साबित हुआ है और इनकी वजह से रिपब्लिकन पार्टी को अगले कई सालों तक सत्ता में नहीं आ पाएगी। डोनाल्ड ट्रंप को कहीं भी कामयाबी नहीं मिली है। ना रूस-यूक्रेन युद्ध में, ना भारत-पाकिस्तान संघर्ष में कामयाबी मिली है, ट्रंप इंडिया को टैरिफ लगाने के बाद भी कंट्रोल नहीं कर पा रहा है।"

सऊदी अरब नहीं उड़ाएगा पाकिस्तान का चीनी `कबाड़' JF-17 फाइटर जेट, फिर क्यों खरीद रहा

एजेंसी रियाद

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रक्षा समझौते के बाद अब एक और बड़ी डील होने जा रही है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक सऊदी अरब पाकिस्तान को दिए अपने 2 अरब डॉलर के लोन के बदले जेएफ-17 फाइटर जेट खरीद सकता है। बताया जा रहा है कि यह पूरी डील 4 अरब डॉलर की हो सकती है। इस डील को लेकर खुलासे के बाद से एक्सपर्ट सऊदी अरब की मंशा पर सवाल उठा रहे हैं। सऊदी अरब खाड़ी देशों में अमेरिका का सबसे बड़ा सहयोगी देश है। वहीं जेएफ-17 फाइटर जेट को पाकिस्तान ने चीनी तकनीक के आधार पर बनाया है। इसमें रूस का बनाया हुआ इंजन लगा हुआ है। इसी वजह से सऊदी अरब और पाकिस्तान की डील को लेकर अटकलों का बाजार गरम था। अब खुलासा हुआ है कि सऊदी अरब जेएफ-17 फाइटर जेट को पाकिस्तान से खरीदकर उसे सूडान को दे सकता है। डिफेंस ब्लॉग की रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब सूडान की मदद के लिए यह फाइटर खरीद सकता है। सूडान इन दिनों यूएई और इजरायल के समर्थन आरएसएफ मिलिशिया के हमलों से जूझ रहा है। इसको लेकर सऊदी अरब और यूएई के बीच काफी तनाव चल रहा है। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच सरकार के स्तर पर बातचीत चल रही है। पाकिस्तान को सऊदी अरब ने कई बार अरबों डॉलर देकर डिफाल्ट होने से बचाया है। सऊदी अरब ने इजरायल के कतर पर हमले के बाद परमाणु बम से लैस पाकिस्तान के साथ रक्षा समझौता भी किया है। पाकिस्तान ने जेएफ-17 फाइटर जेट को म्यांमार और नाइजीरिया दोनों देशों को बेचा है और ये दोनों ही इस चीनी फाइटर जेट से परेशान हैं। पाकिस्तान इसे सरकारों के साथ समझौता करके सप्लाई करता है। सूडान और सऊदी अरब के बीच ऐतिहासिक और धार्मिक संबंध बहुत गहरे हैं। सूडान इस समय गृहयुद्ध से जूझ रहा है। सऊदी अरब सूडान की सेना का सपोर्ट कर रहा है जो आरएसएफ के हमलों से जूझ रही है। आरएसएफ या रैपिड सपोर्ट फोर्स को यूएई का सपोर्ट है। साल 2023 में सूडान में गृहयुद्ध शुरू होने के बाद आरएसएफ ने यूएई की मदद से काफी इलाके पर कब्जा कर लिया है। सऊदी अरब सूडानी सेना की कोई खास मदद नहीं कर पाया है। सूडान के जिन इलाकों में सोना पाया जाता है, उसके बड़े हिस्से पर अब आरएसएफ का कब्जा है। फरवरी 2025 में जब आरएसएफ ने नई सरकार के गठन का ऐलान किया तो सऊदी अरब ने सार्वजनिक रूप से इसका विरोध किया। सूडानी सेना के नेता जनरल अब्देल फतह अल बुरहान ने सऊदी अरब की यात्रा की। जनरल बुरहान ने सऊदी प्रिंस के साथ मुलाकात की थी। रिपोर्ट के मुताबिक अब सऊदी अरब सूडान को जेएफ-17 फाइटर जेट दिलाने में मदद कर रहा है। सऊदी अरब चाह रहा है कि इन फाइटर जेट की मदद से सूडानी सेना को फिर से मजबूत किया जाए। अभी सऊदी अरब या पाकिस्तान ने इस लोन के बदले जेएफ-17 फाइटर जेट डील की पुष्टि नहीं की है। बताया जा रहा है कि अभी दोनों देशों के बीच इसको लेकर बातचीत चल रही है। पाकिस्तान अगर सऊदी अरब के साथ यह डील करता है तो इससे यूएई भड़क सकता है जो बड़े पैमाने पाकिस्तान को आर्थिक सहायता देता है।

क्या कोहली घमंडी हैं ? इस सवाल पर दिया अजिंक्य रहाणे ने गजब का जवाब

एजेंसी बाली

अजिंक्य रहाणे लंबे समय तक टीम इंडिया का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम की कमान भी संभाली तो विराट कोहली की कप्तानी में टीम के लंबे समय तक उपकप्तान भी रहे हैं। ऐसे में उन्हें विराट कोहली के साथ लंबे समय तक ड्रेसिंग रूम शेयर करने का मौका मिला है। इस लिहाज से देखा जाए तो विराट कोहली के बारे में जितनी अच्छी तरह वे बता सकते हैं, कोई दूसरा ऐसा नहीं कर सकता है। रहाणे के मुताबिक,'विराट कोहली केवल इसलिए महान नहीं है कि वे रनों के भूखे हैं या उनके अंदर जबरदस्त जुनून है। असली अंतर खेल को लेकर उनकी सोच और रवैये में है, जिसे बाहरी लोग अक्सर गलत समझ जाते हैं।' अजिंक्य रहाणे ने क्रिकबज के साथ बातचीत में विराट कोहली के व्यक्तित्व को पूरी तरह एक्सप्लेन करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा,'विराट कोहली के बारे में हम कितनी भी बात कर लें, वो कम होगी। लेकिन मैंने उन्हें उस समय बेहद करीब से देखा है, जब वे बैटिंग करने जाते हैं। हम उनके जुनून के बारे में बात करते हैं, लेकिन मेरे ख्याल से उनका रवैया, सीखने की ललक, कभी हार नहीं मानने का जज्बा उन्हें सबसे अलग बनाता है। लोग बाहर से उन्हें घमंडी मानते हैं, लेकिन वह ऐसे नहीं हैं। वह बस अपने खेल में डूब जाते हैं। रहाणे ने इस बात का खुलासा किया है कि कैसे किसी बड़े मैच से पहले विराट कोहली का व्यवहार बिल्कुल बदल जाता है। कोहली अपनेआप में सिमट जाते हैं। इस दौरान वह टीम के साथियों से भी कम बोलते हैं। साथ ही रहाणे ने यह भी कहा कि इस चुप्पी का मतलब अहंकार नहीं होता। यह उनका खेल पर अपना ध्यान केंद्रित करने का तरीका है। उन्होंने कहा,'मैंने उन्हें मैच से दो दिन पहले देखा है। वह बामुश्किल लोगों से बात करते हैं, यहां तक कि अपनी टीम के साथियों से भी नहीं बोलते हैं। वह दरअसल अपना एक जोन तैयार कर रहे होते हैं। वह हमेशा एयरपॉडस पहने रखते हैं और जो वह चाहते हैं, वो सुनते हैं। यह उन्हें अपनेआप पर केंद्रित करने का मौका देता है।''कोहली के इस रुख से असमंजस में फंस जाते हैं कई खिलाड़ी'रहाणे ने ये बात मानी कि कोहली के ऐसे रुख से शुरुआत में कई खिलाड़ी असमंजस में फंस जाते हैं। उन्होंने कहा,'कई खिलाड़ियों को इसे समझने में समय लगता है कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? लेकिन जब वे साथी खिलाड़ियों से बात नहीं कर रहे होते थे, तब मैं समझ जाता था कि असल में वे अपना जोन तैयार कर रहे हैं। रहाणे ने कोहली की बिना थके लगातार मेहनत करने और खुद में सुधार करने की इच्छा के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि खेल में सबकुछ हासिल करने के बाद भी उनमें यह इच्छा लगातार बाकी है। उनका काम करने का तरीका अमेजिंग है। जब भी आप उन्हें देखते हैं तो कुछ नया देखने को मिलता है। वह हमेशा बदलाव चाहते हैं। वह हमेशा सुधार करना और टीम के लिए योगदान देना चाहते हैं।

मोहम्मद रिजवान की बिग बैश लीग में गजब बेइज्जती, धीमा खेल रहे थे, टीम ने रिटायर्ड आउट कर दिया

एजेंसी नई दिल्ली

बिग बैश लीग 2025-26 का 33वां मुकाबला आज यानी 12 जनवरी को मेलबर्न रेनेगेड्स और सिडनी थंडर के बीच खेला गया। बता दें कि पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान इस बिग बैश लीग में खेल रहे हैं और मेलबर्न रेनेगेड्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हालांकि, इस मैच में उनको शर्मसार होना पड़ा। मोहम्मद रिजवान को धीमा खेलने के चलते रिटायर्ड आउट कर दिया गया। रिजवान 23 गेंद में 26 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके बाद उनको रिटायर्ड आउट कर दिया गया, क्योंकि वह काफी स्लो खेल रहे थे। उनकी जगह बल्लेबाजी करने फिर विल सदरलैंड आए। मोहम्मद रिजवान बिग बैश लीग में रिटायर्ड आउट होने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। बिग बैश लीग 2025-26 में मोहम्मद रिजवान पूरी तरह से फेल रहे

हैं। वह इस टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने में पूरी तरह से नाकाम रहे हैं। रिजवान ने 8 पारियों में सिर्फ 167 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट काफी खराब रहा है। उन्होंने काफी धीमी बल्लेबाजी की है। उन्होंने टूर्नामेंट में सिडनी थंडर के खिलाफ इस सीजन का अपना पहला छक्का लगाया था।

कुछ ऐसा रहा मैच का हाल

मेलबर्न रेनेगेड्स और सिडनी थंडर के बीच खेला गया मुकाबला सिडनी ने डीएलएस मेथड के चलते 4 विकेट से जीत लिया है। सिडनी थंडर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। मेलबर्न ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 170 रन बनाए। मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए सर्वाधिक 46 रन हस्सान खान ने बनाए। 2-2 विकेट सिडनी के लिए डेविड मिली, रयान हेडली और वेस एगर ने लिए। हालांकि, दूसरी पारी बारिश के चलते 16 ओवर की हो गई थी और डीएलएस मैथड के चलते टारगेट 140 रन का हो गया था। सिडनी ने 140 रन का टारगेट 15.2 ओवर में चेज कर लिया था। सिडनी के लिए सर्वाधिक 34 रन क्रिस ग्रीन ने बनाए। कप्तान सैम बिलिंग्स ने 33 तो निक मैडिंसन ने 17 गेंद में नाबाद 30 रन बनाए। मेलबर्न के लिए सबसे ज्यादा

मुस्तफिजुर रहमान विवाद से लेकर पूछा सवाल तो मोहम्मद नबी को आया गुस्सा, कहा- मेरे से क्या लेना देना

एजेंसी नई दिल्ली

आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइटराइडर्स ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को अपने साथ जोड़ा था। उनको केकेआर ने 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। कोलकाता की दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिडिंग वॉर हुई थी। लेकिन, अंत में कोलकाता ने बाजी मार ली थी। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार के चलते फैंस ने कोलकाता और उनके मालिक शाहरुख खान को निशाना बनाना शुरू कर दिया था। इसके बाद बीसीसीआई ने बड़ा फैसला लिया। उन्होंने केकेआर को मुस्तफिजुर को रिलीज करने के लिए कहा। बीसीसीआई के आदेश का कोलकाता नाइटराइडर्स ने पालन किया और बांग्लादेशी प्लेयर को रिलीज कर दिया। इसके बाद काफी बवाल मचा हुआ है। बांग्लादेश ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत आने के लिए मना कर दिया है। इस वक्त काफी ज्यादा विवाद हो रहा है। बांग्लादेश चाहता है कि आईसीसी उनके मैच भारत से

बाहर करवाए। लेकिन, आईसीसी ने इसके लिए मना कर दिया और उन्होंने बांग्लादेश के मुकाबले कोलकाता और मुंबई की बजाय चेन्नई और तिरुवनंतपुरम में कराने की बात की। हालांकि, इस पूरे विवाद के बीच अब अफगानिस्तान के दिग्गज ऑलराउंडर मोहम्मद नबी सुर्खियों में हैं। बता दें कि अफगानिस्तान के अनुभवी खिलाड़ी मोहम्मद नबी इस वक्त बांग्लादेश प्रीमियर लीग खेल रहे हैं। वह नोआखली एक्सप्रेस का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। नोआखली एक्सप्रेस और ढाका कैपिटल्स के मुकाबले के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिपोर्टर ने मोहम्मद नबी से मुस्तफिजुर रहमान विवाद के चलते सवाल किया। नबी इस सवाल से नाराज हो गए और भड़क गए। मोहम्मद नबी ने कहा, 'इसका मेरे से क्या लेना देना भाई। मेरा मुस्तफिजुर से क्या काम है? पॉलिटिक्स में क्या काम है मेरा?' बता दें कि मोहम्मद नबी आईपीएल में 24 मुकाबले खेल चुके हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल में 2024 में खेला था।

'रोजाना बैटिंग के बाद 7 ओवर डालने हैं' आयुष बडोनी के टीम इंडिया में सलेक्शन के पीछे की कहानी

एजेंसी नई दिल्ली

दिल्ली क्रिकेट टीम के लिए सोमवार (12 जनवरी) का दिन भी आम दिनों की तरह ही सामान्य था। टीम को विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के क्वार्टर फाइनल में विदर्भ का सामना करना है। पूरी टीम प्रैक्टिस सेशन में जुटी हुई थी। ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी संभाल रहे उप कप्तान आयुष बडोनी दिल्ली के कोच सरनदीप सिंह के साथ होटल वापस लौट रहे थे। इसी दौरान उनके मोबाइल फोन पर एक मैसेज आया। यह वही मैसेज था, जिसका इंतजार क्रिकेट खेलने वाले हर प्लेयर को होता है। आयुष को पहली बार टीम इंडिया के लिए चुन लिया गया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच के लिए आयुष को रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया था। आयुष ने तत्काल मैसेज सरनदीप सिंह को दिखाया और भावुक होते हुए उन्हें गले लगा लिया। वडोनी को टीम इंडिया में वॉशिंगटन सुंदर की जगह मिली है, जो पहले वनडे मैच के दौरान वडोदरा में घायल हो गए थे। पूर्व भारतीय स्पिनर सरनदीप सिंह ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में आयुष के सलेक्शन के पीछे की स्टोरी साझा की है, जो उनकी मेहनत, समर्पण और लगन को दिखाती है। सरनदीप ने कहा,'वह बेहद खुश था और मैं भी उसके लिए बेहद खुश था। वह निश्चित तौर पर इसके लायक है। हमने बेहद कड़ी मेहनत की है। ज्यादातर लोग आयुष को चौके-छक्के मारने वाले और लंबी-लंबी पारियां खेलने वाले फुलटाइम बैटर के तौर पर जानते हैं, लेकिन वह एक बेहतरीन ऑफ स्पिनर भी है। वह एक बेहतरीन ऑफ स्पिनर अपनी कड़ी मेहनत से बना है।' सरनदीप ने आगे कहा,'मैंने पिछले साल उनसे कहा था कि बहुत अच्छा बल्लेबाज होने पर भी उन्हें घर जाने से पहले कम से कम सात ओवर बॉलिंग करनी चाहिए। आयुष ने यह चुनौती बिना झिझके स्वीकार की है। लंबे बैटिंग सेशन के बाद भी वह गेंद उठाता है और 7 ओवर गेंदबाजी करता है। कई बार वो इससे ज्यादा भी गेंदबाजी करता है। उसने अपनी ऑफ स्पिन गेंदों पर बहुत मेहनत की है।' सरनदीप ने कहा,'मैंने आयुष से कहा था कि यदि वह बढ़िया ऑलराउंडर बनना चाहता है तो उसे अपनी स्पिन गेंदबाजी पर ज्यादा मेहनत करनी होगी। उसे अपना मजबूत हिस्सा बनाना होगा ताकि वह भारतीय टीम में फिट हो सके। अब उसकी ऑफ स्पिन गेंदबाजी बहुत बढ़िया है। उसकी गेंद तेजी से टर्न होती है और उसने कई तरह के वैरिएशन भी गेंदबाजी में शामिल किए हैं। वह कैरम बॉल और आर्म बॉल भी फेंकने लगा है। वह बहुत स्मार्ट क्रिकेटर है।' विराट कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करने से मिली मदद सरनदीप ने रणजी ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में विराट कोहली के आने से बाकी खिलाड़ियों पर हुए असर को भी स्वीकार किया है।

व्यापार

भारत ने अचानक पलट दी बाजी, अमेरिका और यूरोप के साथ डील पर आया बड़ा अपडेट

एजेंसी नई दिल्ली

निराशा के बीच अचानक आशा की किरण फूट पड़ी है। संकेत मिलते ही शेयर बाजार ने सोमवार को इस पर अपना रिएक्शन दिया। अब भारत की तरफ से बड़ा अपडेट सामने आया है। यह सिर्फ अमेरिका के साथ ट्रेड डील तक सीमित नहीं है। अलबत्ता, यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) तक जाता है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया है कि भारत और ईयू के बीच व्यापार समझौते की बातचीत अंतिम चरण में है। वहीं, अमेरिका के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर बातचीत जारी है। उन्होंने यह बात गुजरात के राजकोट में क्षेत्रीय एमएसएमई कॉन्क्लेव में मुख्य अतिथि के तौर पर कही। यह बयान ऐसे समय आया है जब कुछ दिन पहले ही भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने अपनी व्यापार वार्ताओं में 'अच्छी प्रगति' की बात कही थी। इस महीने की शुरुआत में ब्रसेल्स में गोयल और यूरोपीय संघ के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक की मुलाकात के बाद यह प्रगति हुई थी। दोनों पक्षों ने कहा था कि अनसुलझे मुद्दे कम हो गए हैं। उन्होंने जल्द से जल्द एक निष्पक्ष और संतुलित समझौते पर पहुंचने के अपने इरादे को दोहराया था। ब्रसेल्स में हुई इस बैठक के दौरान गोयल और सेफकोविक ने अपनी बातचीत टीमों को चर्चा में तेजी लाने और लंबित मामलों को सुलझाने का निर्देश दिया था।

पिछले कुछ सालों में कई दौर की बातचीत हुई है। समझौते का टारगेट इस महीने के अंत में नई दिल्ली में होने वाली अगली भारत-यूरोपीय संघ शिखर बैठक से पहले इसे अंतिम रूप देना है। यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। साल 2024-25 में दोनों के बीच वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 136 अरब डॉलर से ज्यादा था। गोयल का बयान भारत और अमेरिका के बीच व्यापार मुद्दों पर चल रही बातचीत के बीच आया है। सोमवार को अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने भी बातचीत को लेकर उम्मीद जताई। भारत और अमेरिका ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर कई दौर की बातचीत की है। गोर ने कहा कि अगले दौर की बातचीत मंगलवार को ही होने की उम्मीद है। नई दिल्ली में पदभार ग्रहण करने के बाद गोर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच मतभेदों को एक मजबूत साझेदारी के ढांचे के भीतर देखा जाना चाहिए। उन्होंने चल रही व्यापार वार्ताओं का जिक्र करते हुए कहा, 'असली दोस्त असहमत हो सकते हैं। लेकिन, वे मतभेदों को सुलझा लेते हैं।' गोर ने यह भी कहा कि टैरिफ और बाजार पहुंच से संबंधित अनसुलझे मुद्दों के बावजूद भारत और अमेरिका व्यापार मामलों पर नियमित संपर्क में हैं। यह सब तब हो रहा है जब नई दिल्ली यूरोपीय संघ के साथ भी अपनी व्यापार वार्ताएं आगे बढ़ा रहा है। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब भारत अपने व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। यूरोपीय संघ के साथ समझौता भारत के लिए एक बड़ा कदम होगा। कारण है कि यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। वहीं, अमेरिका के साथ बातचीत भी महत्वपूर्ण है। अमेरिका भी भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है। इन वार्ताओं से दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मंत्री पीयूष गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने व्यापारिक हितों की रक्षा करते हुए निष्पक्ष और संतुलित समझौते करना चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत अपने उद्योगों और किसानों के हितों को सर्वोपरि रखेगा। यह दर्शाता है कि भारत किसी भी व्यापार समझौते में अपनी शर्तों पर आगे बढ़ना चाहता है। अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने भी भारत-अमेरिका संबंधों की मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं। लेकिन, वे मिलकर इन मतभेदों को दूर कर सकते हैं। यह बयान भारत और अमेरिका के बीच विश्वास और सहयोग को दर्शाता है।

टाटा की इस कंपनी का मुनाफा 14% गिरा, शेयरधारकों को मिलेगा डिविडेंड, रेकॉर्ड डेट तय

एजेंसी नई दिल्ली

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) ने सोमवार को दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी का शुद्ध मुनाफा पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 14% गिरकर 10,657 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी तिमाही में यह 12,380 करोड़ रुपये था। यह मुनाफा कंपनी के शेयरधारकों को मिलेगा। कंपनी के ऑपरेशन से होने वाले रेवेन्यू में 5% की बढ़ोतरी हुई है। यह 67,087 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही में 63,973 करोड़ रुपये थी। टीसीएस ने वित्तीय वर्ष 2026 के लिए 57 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का अंतरिम डिविडेंड देने की घोषणा की है। इसमें 11 रुपये प्रति शेयर का तीसरा अंतरिम डिविडेंड और 46 रुपये प्रति शेयर का विशेष डिविडेंड शामिल है। यह दोनों डिविडेंड 3 फरवरी 2026 मंगलवार को दिए जाएंगे। कंपनी ने 17 जनवरी 2026 शनिवार को रिकॉर्ड डेट तय की

है। अगर पिछली तिमाही से तुलना करें तो टीसीएस का मुनाफा 12% कम हुआ है। दूसरी तिमाही (Q2) में यह 12,075 करोड़ रुपये था। वहीं कंपनी की आय 2% बढ़कर 65,799 करोड़ रुपये हो गई, जो जुलाई-सितंबर तिमाही में 65,799 करोड़ रुपये थी। टीसीएस के एमडी और सीईओ के कृतिवासन ने कहा कि दूसरी तिमाही (Q2FY26) में जो ग्रोथ (विकास) दिखी थी, वह तीसरी तिमाही (Q3FY26) में भी जारी रही। उन्होंने कहा, 'हम दुनिया की सबसे बड़ी AI-आधारित टेक्नोलॉजी सर्विसेज कंपनी बनने के अपने लक्ष्य पर अडिग हैं। इसके लिए हमारी एक मजबूत पांच-स्तंभों वाली रणनीति है। हमारी AI सर्विसेज से अब सालाना 1.8 अरब डॉलर का रेवेन्यू आ रहा है। यह दिखाता है कि हम ग्राहकों को AI के हर स्तर पर, इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर इंटेलिजेंस तक, निवेश करके कितना बड़ा फायदा पहुंचा रहे हैं।' एआई से जुड़ी पहलों पर बात करते हुए एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर-प्रेसिडेंट और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर आरती सुब्रमण्यन ने कहा कि इस तिमाही में भी AI को लेकर तेजी देखी गई। उन्होंने बताया, 'हमने 'इनोवेशन डेज' के जरिए ग्राहकों को AI के महत्वपूर्ण अवसर पहचानने में मदद की और 'रैपिड बिल्ड्स' से समाधानों को तेजी से लागू किया। हमारे ग्राहक AI के लिए तैयार रहने के लिए क्लाउड, डेटा, साइबर और एंटरप्राइज ट्रांसफॉर्मेशन में निवेश कर रहे हैं। हमने कोस्टल क्लाउड के अधिग्रहण से अपनी सेल्सफोर्स क्षमताओं को और मजबूत किया है, जो लिस्टएन्गेज में हमारे निवेश पर आधारित है।'

एक साथ 27 देशों का खुल जाएगा ताला, ऐसा हुआ तो अमेरिकी टैरिफ के बीच भारत की कैसे निकलेगी लॉटरी

एजेंसी नई दिल्ली

भारी-भरकम अमेरिकी टैरिफ के बाद भारत अपने निर्यात को डायवर्सिफाई करने में जुटा है। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच लंबे समय से एक मुक्त व्यापार समझौते (FTA) अटका है। इस पर बातचीत जारी है। उम्मीद है कि यह समझौता वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद द्विपक्षीय व्यापार को जबरदस्त बढ़ावा देगा। भारत का यूरोप के साथ निर्यात धीरे-धीरे लेकिन लगातार बदल रहा है। ईयू के नए बाजार भारतीय सामानों के लिए भरोसेमंद ग्रोथ के इंजन बनकर उभरने लगे हैं। वहीं, पुराने पार्टनर भी अपनी जगह बनाए हुए हैं। वाणिज्य मंत्रालय के ताजा आंकड़े बताते हैं कि स्पेन, जर्मनी, बेल्जियम और पोलैंड यूरोपीय संघ के 27 देशों के समूह में भारतीय सामानों के लिए अहम और स्थिर डेस्टिनेशन के रूप में सामने आए हैं। यह भारत की निर्यात रणनीति में ज्यादा विविधता और संतुलन को दर्शाता है। फिलहाल, यूरोपीय संघ भारत के कुल निर्यात का लगभग 17 फीसदी हिस्सा बनाता है। भारत को यूरोपीय संघ का निर्यात उसके ग्लोबल एक्सपोर्ट का लगभग 9 फीसदी है। अगर प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जाता है तो तैयार कपड़ों, फार्मास्यूटिकल्स, स्टील, पेट्रोलियम उत्पादों और बिजली मशीनरी जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रतिस्पर्धा की ताकत बढ़ने की संभावना है। इससे भारत के सबसे महत्वपूर्ण विदेशी बाजारों में से एक में उसकी पकड़ और मजबूत हो सकती है। इनमें से स्पेन एक खास बाजार के तौर पर उभरा है। चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल-नवंबर के दौरान स्पेन को भारतीय निर्यात में 56 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़कर 4.7 अरब डॉलर हो गया है, जो पिछले साल इसी अवधि में 3 अरब डॉलर था। इस जबरदस्त उछाल का मतलब है कि भारत के कुल निर्यात में स्पेन की हिस्सेदारी बढ़कर 2.4 फीसदी हो गई है। यह 0.5 फीसदी की बढ़ोतरी है, जो इस अवधि में यूरोपीय साझेदारों के बीच सबसे ज्यादा है।

घर में चाहिए पॉजिटिव एनर्जी, मुख्य द्वार पर लगाएं गणेश जी की प्रिय दूर्वा

आज के दिन बुध ग्रह से संबंधित होता है। ज्योतिष में बुध ग्रह को वाणी, बुद्धि और व्यापार का कारक माना जाता है। वहीं भगवान श्रीगणेश को भी बुद्धि और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। बुधवार के दिन भगवान गणेश की पूजा करने और इससे संबंधित शुभ काम करने से जातक को ज्ञान, बुद्धि और व्यापार में सफलता प्राप्त होती है। इन्हीं शुभ कार्यों का एक हिस्सा तोरण लगाना भी है। जोकि घर में पॉजिटिव एनर्जी का संचार करता है।

मुख्य द्वार पर लगाएं दुर्वा का तोरण दूर्वा का तोरण घर में पॉजिटिव एनर्जी को आकर्षित करता है। इससे घर का वातावरण शुद्ध और शांत होता है। यह तोरण घर के मुख्य द्वार पर लगाने से घर में प्रवेश करने वाली निगेटिव एनर्जी या बुरी नजर को रोकता है। इससे घर में सुख-शांति बनी रहती है। माना जाता है कि घर में दूर्वा का तोरण लगाने से धन संबंधी परेशानियां दूर होती हैं। साथ ही घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है। वहीं भगवान गणेश की कृपा से घर में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है। भगवान गणेश बुद्धि के दाता हैं और दूर्वा का तोरण घर में लगाने से परिवार के सदस्यों को सही निर्णय लेने में मदद मिलती है और बुद्धि का विकास होता है। दूर्वा का तोरण लगाने से वास्तु दोष कम होता है। इसका तोरण बनाने के लिए 21 या फिर 108 दूर्वा गांठ लें। हर गांठ में 3 से 5 पत्तियां होनी चाहिएं। अब इनको धागे से गूंथकर एक लंबी माना बना लें और इसको घर के मुख्य द्वार पर लगाएं। आप इसे शुक्रवार या बुधवार को बनाना शुभ माना जाता है।

दुर्वा का तोरणभगवान गणेश को दूर्वा अतिप्रिय माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान गणेश को दूर्वा अर्पित करने से बप्पा जल्दी प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। वहीं दूर्वा का संबंध नवग्रहों में बुध ग्रह से माना जाता है। ज्योतिष में बुध ग्रह को वाणी, बुद्धि और व्यापार का कारक माना जाता है। दूर्वा को अमृत समान भी माना जाता है और इससे घर में कभी भी समस्याएं नहीं आती हैं।

कैसे दान से खुलता है सौभाग्य का द्वार, क्यों जरूरी है दान और पुण्य

सम्पन्न होने पर अपनी आय का कुछ प्रतिशत अवश्य ही दान, पुण्य कर्म में लगाना चाहिए, ऐसा करने से जीवन में कभी भी हारी-बीमारी, दुःख-संकट एकत्र नहीं हो पाते। जब हम किसी वस्तु का दान करते हैं, तो मन में विरक्ति का भाव आता है, दुर्भाग्य का दान करेंगे, तो सौभाग्य निश्चित ही आएगा।

दान करने से दुर्भाग्य दूर होता है और जैसे ही दुर्भाग्य जाता है, सौभाग्य आ जाता है। इसे इस प्रकार समझिए कि जैसे आपके पास एक पात्र है, उसमें कुछ भरा हुआ है, जब तक उसमें से कुछ खाली नहीं करेंगे, तब तक उसमें दूसरी चीज नहीं आ सकती है। इसी प्रकार से जो लोग सम्पन्न होने के बावजूद दान आदि देने से कतराते हैं अथवा मन के गरीब होते हैं, वे बहुत ज्यादा प्रगति नहीं कर पाते हैं, क्योंकि अध्यात्मिक नियम यह कहता है कि चाहें कुछ भी हो जाए, व्यक्ति मन का गरीब नहीं होना चाहिए।जब आप किसी वस्तु का दान करते हैं, तो मन में विरक्ति का भाव आता है, जब आप दान करेंगे तो दुर्भाग्य आपका दूर हो जाएगा और बदले में सौभाग्य चला आएगा। यह एक प्रकार से उर्जा का रूपांतरण है, दुःख भरी उर्जा बाहर निकालने से उसके रिक्त स्थान पर सकारात्मक सुख भरी उर्जा समाहित होने लगती है। जन्म राशि का स्वामी किसी भी व्यक्ति के उत्थान-पतन में अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः राशि अनुसार वस्तुओं का दान विशिष्ट पर्वों पर अवश्य करते रहना चाहिए। राजा हर्षवर्धन का जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि दान से कभी कमी नहीं आती। उन्होंने बार-बार अपना सर्वस्व दान किया, फिर भी उनका यश, वैभव और प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ती गई, क्योंकि जहाँ मन उदार होता है, वहाँ सौभाग्य स्वयं निवास करने आता है।

जब व्यक्ति कुछ देता है, तो उसके भीतर यह भाव जागृत होता है कि "मेरे पास देने योग्य है।" यही भाव अभाव-बोध को समाप्त कर देता है। अभाव की भावना ही दुर्भाग्य का मूल कारण होती है, जबकि संतोष और उदारता सौभाग्य को आकर्षित करते हैं। अध्यात्म कहता है कि जीवन एक निरंतर प्रवाह है। दान करने से चित्त शुद्ध होता है और कर्मों का भार कम होने लगता है। यही कारण है कि दान करने वाले व्यक्ति के जीवन में अनजाने ही नए अवसर, सहायता और अनुकूल परिस्थितियाँ बनने लगती हैं।

लोहड़ी पर करें इनमें से कोई एक उपाय, तरक्की के खुलेंगे रास्ते, धन-धान्य में होगी वृद्धि

लोहड़ी हर साल मकर संक्रांति से ठीक एक दिन पहले मनाई जाती है। यह त्योहार पंजाब और हरियाणा के साथ-साथ देश के कई भागों में धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन शाम को अग्नि की पूजा की जाती है और सभी लोग उसके चारों ओर घूमकर नाचते गाते नजर आते हैं। लोहड़ी का त्योहार सूर्य के उत्तरायण होने की खुशी में भी मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन अग्नि प्रज्वलित और पूजन करने से आरोग्य की प्राप्ति होती है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, इस दिन कुछ उपायों को करना बेहद लाभदायक सिद्ध हो सकता है। इससे जातक के जीवन में तरक्की के रास्ते खुल सकते हैं, परिवार में खुशियां आने लगती हैं और धन-धान्य में भी वृद्धि हो सकती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें लोहड़ी के उपाय...

लोहड़ी की अग्नि का बेहद खास महत्व होता है। इस दिन शाम को एक छोटा सा उपाय अवश्य करना चाहिए। लोहड़ी की शाम पूजा के बाद अपने घर-परिवार के छोटे बच्चों को अग्नि का धुआं जरूर लगाना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से नजर दोष दूर होता है। साथ ही, बच्चों पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और आरोग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही, परिवार के साथ अग्नि की परिक्रमा भी अवश्य करनी चाहिए और जीवन में सुख-शांति की कामना करें।

धन-धान्य में वृद्धि का उपाय अगर आप कुछ समय से आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं या कमाई होने पर भी पैसे नहीं टिक रहे हैं तो लोहड़ी के दिन एक उपाय कर सकते हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, लोड़ही पर लाल रंग के साफ वस्त्र में गेहूं बांधकर गरीबों या जरूरतमंदों को दान करना चाहिए। आप अपने सामर्थ्य अनुसार गेहूं का दान कर सकते हैं। मान्यता है कि इस दिन अन्न दान करने से जातक को आर्थिक तंगी और फिजूलखर्ची से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और धन-धान्य में भी वृद्धि हो सकती है।

घर में सुख-समृद्धि का उपाय लोहड़ी की शाम अग्नि प्रज्वलित करने का खास महत्व होता है। इस दिन उपाय के तौर पर शाम को प्रदोष काल में लोहड़ी की अग्नि में तिल, गुड़, गजक, गेहूं आदि जरूर अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने के बाद अग्नि देव और सूर्य देवता को धन्यवाद करना चाहिए। साथ ही, सुख-समृद्धि की कामना करें। लोहड़ी पर उस उपाय को करने से जातक के घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। साथ ही, जीवन में सकारात्मकता आती है और नकारात्मकता दूर होती है।

जीवन में तरक्की का उपाय अगर आपकी तरक्की या जरूरी कार्यों में बार-बार बाधाएं आ रही हैं तो लोहड़ी की शाम एक छोटा सा उपाय आजमा सकते हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, इस दिन जरूरतमंद कन्याओं को रेवड़ी, तिल, गजक आदि अपने सामर्थ्य अनुसार भेंट करना चाहिए। इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। इस उपाय को करने से कार्यों अथवा व्यवसाय में आ रही बाधाएं दूर हो सकती हैं। साथ ही, जीवन में तरक्की के द्वार खुलने लगते हैं। लोहड़ी के दिन कई स्थानों पर लड्डू भी बांटा जाता है।

आर्थिक राशिफलः मंगलवार को सुनफा योग का शुभ संयोग, मेष सहित इन राशियों को तगड़ा धन लाभ

मेष राशि के जातकों को किसी से कोई बड़ा वादा करने से फिलहाल बचना होगा। कुछ लोग आपकी इसी भलाई का फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। इस दौरान आपको कामकाज में भावनाओं के बजाय समझदारी से फैसलों को लेना होगा। कोई नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना नजर आ रही है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से तालमेल बनाए रखने से आपको लाभ होगा। हालांकि, हर बात पर भरोसा करा आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है।

वृष राशि आज के दिन आपको कार्यक्षेत्र में कुछ अधिक जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। नौकरीपेशा लोग नया प्रोजेक्ट मिलने से व्यस्त रहेंगे। घर-परिवार से जुड़ी जिम्मेदारियां भी बढ़ती हुई दिख सकती हैं। ऐसे में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके काफी काम आ सकती है। इस दौरान जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचें। वहीं, ऑफिस में बॉस से आपको तारीफ भी मिल सकती है।

मिथुन राशि के जातकों का दिन भागदौड़ भरा रहने वाला है। चलते-फिरते आपको किसी अपने की मदद करनी पड़ सकती है। काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखना आपके लिए जरूरी रहेगा। इस दौरान काम में कुछ अड़चनें आ सकती हैं। ऐसे में सूझबूझ और बातचीत से मुश्किल हालात से बाहर निकाला जा सकता है। दिन के अंत तक कई काम आपके पक्ष में आने नजर आएंगे।

कर्क राशि के जातकों को महत्वपूर्ण फैसलों में सावधानी बरतनी होगी। आज भावनाओं में बहकर कोई फैसला लेने से बचें। जल्दबाजी में लिया गया कोई फैसला आगे चलकर परेशानी कढ़ी कर सकता है। कार्यक्षेत्र में शांत दिमाग से काम करना आपके लिए लाभदायक रहेगा। मन में चल रही कोई बात दबाने के बजाय दूसरों से साझा करना आपके हित में रहेगा। दूसरों की भलाई के बारे में सोचने से पहले अपनी स्थिति को भी समझना जरूरी होगा।

सिंह राशि आज आपको अपने आसपास के माहौल पर खास नजर रखनी होगी। कार्यक्षेत्र में चल रही गतिविधियां आपके फैसलों से प्रभावित हो सकती हैं। कोई प्रतिद्वंद्वी आपकी योजनाओं पर नजर रखे हुए हैं। ऐसे में हर कदम सोच-समझकर ही उठाएं। घबराने की बजाय शांत मन से फैसले लें।

कन्या राशि आज किसी के प्रस्ताव को लेकर फैसला लेना पड़ सकता है। भावनाओं में बहकर कोई ऐसा कदम न उठाएं, जो आगे चलकर परेशानी का कारण बने। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव करने की जरूरत पड़ सकती है। आगे चलकर ये फैसला आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। पुराने तरीकों की जगह नए तरीके अपनाने से आपको मुनाफा होगा। भविष्य की योजना बनाने के लिए दिन अच्छा है। सही दिशा में किया गया छोटा सा बदलाव बड़े लाभ का कारण बनेगा।

तुला राशि अगर आप किसी असमंजस में पड़ सकते हैं। ऐसे में अपनी स्थिति साफ कर देना आपके लिए बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में भी स्पष्ट संवाद आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपके लिए अपनी सीमाएं तय करना आज जरूरी है। बाद में कोई आपसे ऐसी उम्मीद न रखे जिसे निभाना मुश्किल हो जाए। रिश्तों और काम दोनों में संतुलन बनाए रखना आपके लिए चुनौती हो सकता है।

वृश्चिक राशि नई नौकरी या नया कारोबार शुरू करने का विचार बना सकते हैं। आपके आसपास के लोगों की सलाह और सहयोग आपके काम आएगा। अपनी योजनाओं को लंबे समय तक टालने के बजाय उन पर काम करें। सोच-समझ कर लिया गया फैसला लाभकारी सिद्ध होगा। आज किया गया प्रयास आने वाले दिनों में मजबूत आधार तैयार कर सकता है।

धनु राशि आज काम को लेकर थोड़ी तेजी दिखाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। लापरवाही या आलस से नुकसान होने की संभावना है। ऐसे में जिस मौके का आप इंतजार कर रहे हैं, वह आपके हाथ से निकल सकता है। इसलिए फैसलों में देरी करने से बचें। अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार काम खत्म करने की कोशिश करें। आज लिया गया सही फैसला आपको आगे बढ़ने का मौका दे सकता है।

मकर राशि आज किसी पुराने वादे को पूरा करने का अच्छा मौका मिल सकता है। अगर आपने किसी काम को लंबे समय से टाल रखा है, तो अब उसे निपटाने में ही समझदारी है। आप मामले को जितना लटकाएंगे, आगे चलकर उतनी ही मुश्किल खड़ी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में भी अधूरे काम पूरे करने पर ध्यान दें। आज की गई मेहनत आपके आगे की राह भी आसान बनाएगी।

कुंभ राशि काफी समय बाद आपकी दिनचर्या में बदलाव देखने को मिल सकता है। अगर आपको कोई नया पद या जिम्मेदारी मिल रही है तो उसे स्वीकार करने में ज्यादा सोच-विचार न करें। यह अवसर आपके लिए तरक्की का रास्ता खोल सकता है। शुरुआत में दबाव महसूस हो सकता है, लेकिन धीरे-धीरे आप खुद को इस भूमिका में सहज पाएंगे। वरिष्ठों का भरोसा आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा।

मीन राशि आज आपको किसी कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। लोगों के बीच आपकी मौजूदगी सबका ध्यान खींचेगी। हालांकि दिखावे से बचना ही बेहतर रहेगा। किसी ऐसे व्यक्ति से तुलना न करें जो केवल शान दिखाने में लगा हो। अपने स्वभाव और काम पर भरोसा रखें। कार्यक्षेत्र में आपकी विनम्रता और समझदारी आपको अलग पहचान दिलाएगी।

मकर संक्रांति पर तिल दान करने से शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या, अशुभ शनि से राहत

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मकर संक्रांति पर्व विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण होता है जिनकी जन्मकुंडली में शनि अशुभ स्थिति में हो या सूर्य कमजोर हो। जिन राशियों पर साढ़ेसाती लगी है, उन्हें इस दिन दान-पुण्यकर्म अवश्य करना चाहिए। वर्तमान समय में मेष राशि, कुम्भ राशि और मीन राशि पर साढ़ेसाती चल रही है तथा सिंह राशि और धनु राशि पर ढैय्या का प्रभाव है। ज्योतिषीय दृष्टि से मकर संक्रांति का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि ग्रहों का राजा सूर्य अपने पुत्र शनि की राशि मकर में प्रवेश करता है। गौरतलब है सूर्य, शनि पिता-पुत्र होकर एक-दूसरे के शत्रु हैं। ज्योतिष शास्त्र में वर्णित है, शनि कर्म और अनुशासन के प्रतीक हैं, अतः मकर संक्रांति पर्व कर्म सुधार और जीवन-दिशा परिवर्तन का संकेत है। जब कोई व्यक्ति ग्रहों की पीड़ा से परेशान होकर ज्योतिषी के पास जाता है, तो ज्योतिषी उसे उसके भाग्योदय के लिए कुछ उपाय बताते हैं। इन उपायों में रत्न धारण, मंत्र जप, औषधि स्नान, दान आदि के साथ कर्म सुधार करने की प्रेरणा भी होती है। जब व्यक्ति दान आदि पुण्य कर्म करना प्रारम्भ

कर देता है, तो अपने आप धीरे-धीरे उस पर आया हुआ ग्रह का प्रकोप शांत होने लगता है। यही कारण है कि शास्त्रों में मकर संक्रांति पर स्नान-दान को विशेष फलदायी बताया गया है। केवल शनि ही नहीं सूर्य सहित सभी ग्रहों का उपाय मकर संक्रांति के शुभ संचरण काल में किया जाता है। मकर संक्रांति लगते ही देवताओं का दिन और दैत्यों की रात्रि हो जाती है, इसलिए मांगलिक कार्यों का सिलसिला भी प्रारम्भ हो जाता है। इस बार तीर्थों के राज प्रयागराज में मकर संक्रांति के बाद माघ मास कृष्ण पक्ष की अमावस्या यानि मौनी अमावस्या भी ग्रह शांति के लिए विशेष है। सम्पूर्ण माघ के माह में मौनी अमावस्या अतिविशिष्ट पर्व है। अमावस्या तिथि पितरों के साथ शनि शांति के लिए उपयुक्त है, अतः मकर संक्रांति और फिर मौनी अमावस्या, इन दोनों पर्वों के दिन अगर तेल में चेहरा देखकर छाया दान किया जाए तो ग्रह कष्टों का सरलतापूर्वक शमन होता है। काले तिल का दान अथवा काले तिल से लड्डू बनाकर मकर संक्रांति और मौनी अमावस्या के दिन दान करने से जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन दिखाई पड़ता है।

हवन-पूजन के साथ शुरू हुआ बाबा मठारदेव का मेला, विधायक डॉ.पंडाग्रे ने ध्वजारोहण व फीता काटकर किया शुभारंभ

नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ने विधायक के साथ किया पूजन विधायक बोले सारनी के विकास में नहीं होगी कोई कमी

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

श्रीश्री 1008 बाबा मठारदेव के मेले का सोमवार 12 जनवरी को विधिवत शुभारंभ किया गया।आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, भाजपा के जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार,नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे, उपाध्यक्ष जगदीश पवार ने जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हवन-पूजन, ध्वजारोहण एवं फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया।मेला परिसर में में सुबह 10 बजे से पूजन का कार्यक्रम प्रारंभ हो गया। अतिथियों ने मंच के समक्ष पूजन किया। हवन-पूजन एवं आरती के पश्चात बाबा मठारदेव के ध्वज का पूजन किया। अतिथियों ने ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात बाबा मठादेर तलहटी मंदिर की प्रथम सीढ़ी पर पूजन कर फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया। विधायक डॉ.पंडाग्रे व अतिथियों ने मठारदेव बाबा का पूजन किया। इसके बाद मंचीय कार्यक्रम प्रारंभ हुए। स्वागत उद्बोधन नपाध्यक्ष ने दिया। इस अवसर पर एसडीएम प्रपंज आर (आई.ए.एस.), एसडीओपी प्रियंका करचाम, तहसीदार संध्या रावत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सी. के. मेश्राम,पार्षदगण छाया अतुलकर, भीम बहादुर थापा, दशरथसिंह जाट,मीना सिंह, ज्योति नागले, चंद्रा सोनेकर, संगीता धोटे, प्रवीण सोनी, भावना माकोड़े, हरिता पाल, योगेश बर्डे, गणेश महस्की, अजाबराव धोटे, कविता पटैया, बेबी बिंझाड़े, कमलेश सिंह, सुधा चंद्रा, गोलू राजपूत,दीपक सिनोटिया, संजय अग्रवाल,अरविंद सोनी, रमेश हारोडे,जगदीश आहूजा, भारती अग्रवाल,रूपेंद्र चौहान, पं.संतोष शर्मा,किशोर चौहान, विक्रमपुर सरपंच यशोदा मर्सकोले,बाकुड़ सरपंच भैयालाल बैठे समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

सारनी के विकास में नहीं छोड़ेंगे कोई कसर प्लांट, खदानें होंगी शुरू : आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे ने कहा कि बाबा मठारदेव की बड़ी महिमा है। उन्हीं की कृपा से हम सारनी का विकास कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सारनी के विकास में कोई कोर नहीं छोड़ेंगे। विधायक ने कहा कि प्लांट का कार्य जल्द शुरू होगा। साथ ही कोयला खदान भी अब प्रारंभ होने की स्थिति में है। सीमेंट फैक्ट्री व अन्य औद्योगिक इकाइयां भी जल्द प्रारंभ करेंगे। नगर पालिका के साथ मिलकर शहर का सर्वांगीण विकास किया जाएगा। इससे पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

10 दिनों तक चलेगा मेला, चाका चौबंद व्यवस्था: बाबा मठारदेव का मेला आगामी 10 दिनों तक यानी 22 जनवरी तक चलेगा। नगर पालिका परिषद सारनी ने इसके लिए चाक चौबंद व्यवस्था की है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं मेला अधिकारी सी.के.मेश्राम ने बताया कि मेले में पानी, लाइटिंग,टेंट समेत श्रद्धालुओं के लिए सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई है। पुलिस प्रशासन की मदद से सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। प्राइवेट गार्ड,सीसीटीवी कैमरे मेले में लगा दिए गए हैं। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी ना हो इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

मेला उद्घाटन में नहीं आए कांग्रेस के पार्षद विधायक ने मंच से की पुकार : नगर पालिका परिषद सारनी में लगभग 13 पार्षद कांग्रेस के हैं लेकिन सारनी के ब्लॉक अध्यक्ष किशोर चौहान और चुनिंदा कांग्रेस के कार्यकर्ता ही मेले में पहुंचे जबकि कांग्रेस का कोई भी निर्वाचित पार्षद मेले में उपस्थित नहीं था वार्ड क्रमांक 4 की कांग्रेस पार्षद को छोड़कर लगभग सभी पार्षदो ने बाबा मठारदेव मेले के शुभारंभ कार्यक्रम से दूरी बनाकर रखी थी। सूत्रों का कहना है कि नगर पालिका परिषद के प्रतिपक्ष नेता पिटीस नागले के माध्यम से एक दिन पूर्व सभी पार्षदों को फोन करके कार्यक्रम में उपस्थित नहीं होने की बात कही थी हालांकि विधायक के माध्यम से मंच से कांग्रेस के सभी पार्षदों का नाम लेकर मंच पर बैठने के लिए आमंत्रित किया गया था लेकिन पार्षद नदारत रहे कांग्रेस के जिन पदाधिकारी को मंच पर बैठने के लिए आमंत्रित किया गया था वह लोग भी मंच से दूरी बनाकर रहे जिसकी संपूर्ण क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चा है की जा रही है। क्षेत्र की आम जनता तो अब यह कहने लगी है कि कांग्रेस के पार्षदों को नगर पालिका परिषद सारनी के कार्यक्रम का विरोध करना चाहिए क्षेत्र की कुल देवता बाबा मठारदेव महाराज के मेले के का नहीं।

शिखर मंदिर पर चढ़ाया गया 50 फीट के बास में 36 फीट का निशान

मेला समिति एवं खुदरा व्यापारी संघ के संयुक्त तत्वाधान में 5 साल से हो रहा कार्यक्रम

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

विद्युत नगरी सारनी के बाजार चौक से पिछले 5 वर्षों से लगातार बाबा मठारदेव महाराज शिखर मंदिर पर निशान चढ़ाने का काम मेला समिति एवं खुदरा व्यापारिक संघ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। खुदरा व्यापारी संघ के अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि 12 जनवरी को बाजार चौक से डीजे एवं बेड बजे के साथ नगर की कुल देवता बाबा मठारदेव महाराज के शिखर मंदिर पर समर्पित किए जाने को लेकर निशान यात्रा निकाली गई जहां पर श्रद्धालुओं के माध्यम से नाचते गाते हुए पहले तलहटी मंदिर पहुंचे वहां पर पूजा आराधना करने के बाद शिखर मंदिर पर जाकर 50 फीट के बास पर साढे 36 फीट का ध्वज लहराने का काम किया गया है। इस निशान को शिखर मंदिर पर पहुंचने में श्रद्धालुओं को लगभग तीन घंटे का समय लगा लेकिन श्रद्धालुओं के माध्यम से शिखर मंदिर पर 50 फीट के बाद के साथ साढे 36 फीट के निशान को लहराने का काम किया है। शिखर मंदिर से इस निशान का नजारा मनमोहन दिखाई देने लगा है।

मकर संक्रांति पर सारनी में होगा डंडार पार्टी का जंगी मुकाबला

बारादरी सुपरहिट टाइप में 13 जनवरी के शाम को होगा कार्यक्रम शुरू

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

विद्युत नगरी सारनी में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर डंडार प्रतियोगिता का आयोजन लंबे समय से आयोजित किया जा रहा है। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी 14 जनवरी दिन बुधवार को मकरसंक्रांति एवं बाबा मठारदेव मेले के पावन पर्व पर सारनी के वार्ड क्रमांक तीन बारादरी सुपर ई टाइप में रात्रि 9 बजे से श्रीकृष्ण डंडार समिति के द्वारा दो पार्टियों के बीच डंडार के जंगी मुकाबला का आयोजन रखा गया है। जिसमें प्रथम पार्टी तिरंगा निशान मुकाम पारडी तहसील कुही जिला नागपुर महाराष्ट्र एवं द्वितीय पार्टी अमर गायन तुर्रा घराने सोमलवाड़ा लखनी महाराष्ट्र प्रथम पार्टी के शाहीर निशान सुखदेव द्वितीय पार्टी के शाहीर आर्यन नागदेवे रहेंगे। इस कार्यक्रम में आमला विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे,उपाध्यक्ष जगदीश पवार भाजपा मंडल अध्यक्ष गोलू राजपूत वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता बैतूल अजाबराव भूमरकर सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में श्रीकृष्ण डंडार समिति के अध्यक्ष नंदकिशोर सोनारे, सचिव सतीश बौरासी, संरक्षक तुकाराम लोखंडे, कोषाध्यक्ष वासुदेव साकरे, संयोजक नत्थू देशमुख,राहुल कापसे,वरिष्ठ अध्यक्ष गोविन्दराव राने,लक्ष्मण बारस्कर,उपाध्यक्ष हरिदास वाघमारे,अमन वानखेड़े, एमएल वामनकर,बाबूराव काले एवं समिति के पदाधिकारियों ने क्षेत्र के संगीत प्रेमियों से अपील की है कि दो पार्टियों के बीच होने वाले जंगी इस मुकाबले को देखने के लिए कार्यक्रम स्थल पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर संगठन के पदाधिकारी का हौसला बढ़ाने में सहयोग प्रदान करें।

70 साल पुरानी कांग्रेस पार्टी के पास सारनी में नहीं कांग्रेस कार्यालय, भगवान को किनारे कर अब भगवान भरोसे चलते है कांग्रेस के कार्यक्रम

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी का जिला एवं सारनी ब्लॉक में कार्यालय नहीं होने से भगवान भरोसे कांग्रेस पार्टी चल रही है।कांग्रेस पार्टी के नेता मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की भूमि पर अतिक्रमण करके दुकानों से कांग्रेस कार्यालय चलाते है। आज तक जितने भी ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष बने है।सभी ने कांग्रेस के सभी कार्यक्रम भगवान भरोसे किये है,कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि जिले मे कांग्रेस कार्यालय आज तक नहीं बना है तो सारनी ब्लाक स्तर पर कैसे कांग्रेस कमेटी के कार्यालय बन सकते है, पूर्व जिला अध्यक्ष घनश्याम तिवारी ने डागा जी के निवास से कार्यालय चलाया था।इसके बाद सिद्दीक पटेल ने जिला अध्यक्ष बनने के बाद बैतूल गंज मे अपनी दुकान से कांग्रेस कार्यालय संचालित किया।समीर खान ने जिला अध्यक्ष बनने के बाद जेल के सामने दुकान से कांग्रेस कार्यालय चलाने के बाद सुनील शर्मा ने जिला अध्यक्ष बनने के बाद कोठी बाजार मे अपनी दुकान से कांग्रेस कार्यालय को चलाया है।इस बार नवागत जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय डागा कांग्रेस कार्यालय अपने निवास से संचालित करना पड़ रहा है।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जिले भर मे संगठन को मजबूत करने एवं कार्यकर्त्ता को बैठने के लिए कार्यालय का होना जरूरी है।जिले भर मे कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यालय के अभाव मे भटकते रहते है।कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष बनाने मे कई लोग एड़ी चोटी का जोर लगा रही है।कांग्रेस कार्यालय बनाने मे चुप्पी साधे हुए है,सवाल यह उठता है सारनी ब्लाक अध्यक्ष कि घोषणा होती है तो कांग्रेस कार्यालय सारनी मे होगा या पाथाखेड़ा मे होगा इसको लेकर भी संशय की स्थिति बनी हुई है।हालांकि नवागत जिला अध्यक्ष निलय डागा ने सारनी के एक गेस्ट हाउस मे कांग्रेस नेताओं की बैठक लेकर जिले मे कांग्रेस कार्यालय बनाने की बात बड़ी दमदारी से की थी। इतना ही नही जिले भर के कार्यकर्त्ताओ से अंश दान करने को कहा था।मजे की बात यह है कि सारनी क्षेत्र में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का कार्यालय नहीं है ऐसे मे जिले मे कार्यालय बनाने के लिए अंश दान कौन करेगा, सारणी ब्लॉक के कार्यकर्ता ही कार्यालय विहीन है ऐसे में अंशदान करना वाकई किसी जोग की तरह सुनाई दे रहा।

इनका कहना है

बैतूल जिले मे आज तक कांग्रेस कार्यालय नहीं है बड़ी गजब बात है. जिले के 12 ब्लाक मे कांग्रेस कार्यालय बनाने के अलावा जिले मे कांग्रेस कार्यालय बनाने की पहल करेंगे

-जीतू पटवारी, प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल

युवा पीढ़ी को भारत का इतिहास बताकर उस पर अमल कराना जरूरी -आशुतोष चौहान

शहीद भगत सिंह बस्ती में हिंदू सम्मेलन संपन्न पंच परिवर्तन' की रंगोली और लोक नृत्य रहे आकर्षण का केंद्र रहा

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गौरवशाली 100 वर्ष पूर्ण होने पर मनाए जा रहे 'शताब्दी वर्ष' के उपलक्ष्य में, सारनी के शहीद भगत सिंह बस्ती स्थित मंगल भवन में विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सकल हिंदू समाज आयोजन समिति के इस कार्यक्रम में भक्ति कला और राष्ट्रवाद का अद्भुत संगम देखने को मिला कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आशुतोष चौहान ने अपने संबोधन में युवाओं पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा आज की युवा पीढ़ी को भारत के वास्तविक गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना और उन्हें उस पर अमल करने के लिए प्रेरित करना नितांत आवश्यक है।उन्होंने आगे कहा कि यदि बच्चों में बचपन से ही सनातन संस्कार और राष्ट्रप्रेम दिया जाना जरूरी हो गया है।तब जाकर समर्थ भारत की नींव रखी जा सकती है।कार्यक्रम में कला और संस्कृति के माध्यम से वैचारिक संदेश दिए गए विशेष आकर्षण कार्यक्रम में पंच परिवर्तन' (स्वदेशी,कुटुंब प्रबोधन,पर्यावरण,नागरिक कर्तव्य और सामाजिक समरसता) पर आधारित कलात्मक रंगोली सभी के आकर्षण का केंद्र रही।कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना और उस पर आधारित सुंदर नृत्य से किया गया। इसके बाद जनजातीय कलाकारों ने अपने पारंपरिक लोक नृत्य की प्रस्तुति देकर उपस्थित प्रबुद्ध जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राष्ट्रीय स्वयंसेविका समिति की सेविका ने मातृशक्ति को सशक्त बनाने और परिवार में संस्कारों के महत्व पर विचार रखे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कमल किशोर भावसार और पंडित संतोष शर्मा ने भी शताब्दी वर्ष के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।शताब्दी वर्ष का संकल्प संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर देश की प्रत्येक बस्ती तक पहुँचने के लक्ष्य के साथ आयोजित यह सम्मेलन स्थानीय समाज को एकजुट करने में सफल रहा। कार्यक्रम का समापन भारत माता की आरती और राष्ट्र की सेवा के संकल्प के साथ किया गया कार्यक्रम में कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी केंद्र बिंदु रहा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949